WINGS

तारिणी

हिन्दी पाठ्यपुस्तक

ANSWER KEY

CLASS
6 To 8

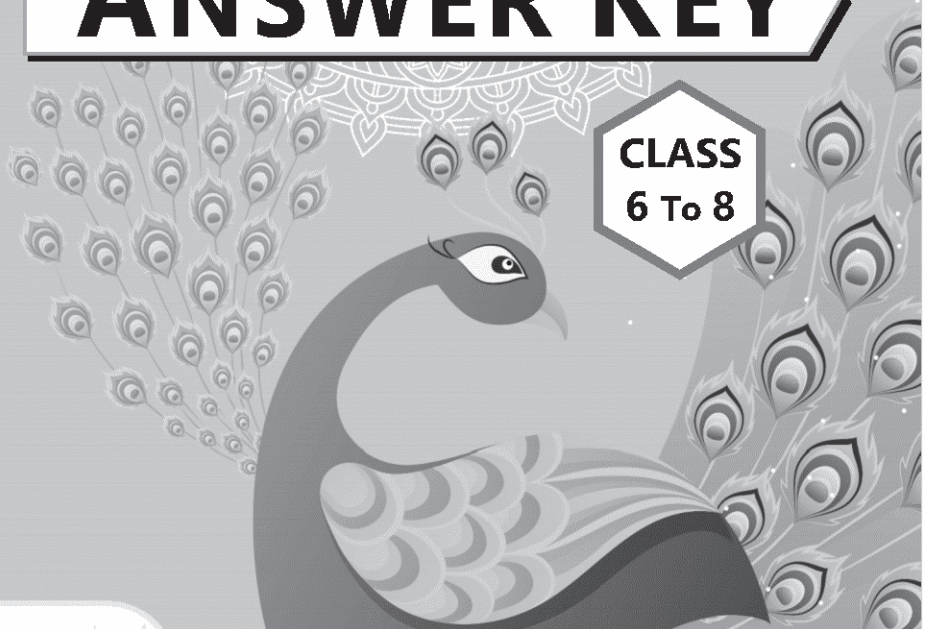

PURPLE STROKE

लेखिका
सावित्री बसेर
एम.ए. (हिन्दी) • बी.एड.

WINGS EDUCATION
Leading Publisher Of Children Books
wingseducationbooks@gmail.com

पाठ–1 नव जीवन का बिहान (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. कवि अपने जीवन में मानव का हितकारी प्रकाश करने वाला एवं नवीनता व प्रसन्नता का संचार करने वाला बनना चाहता है। 2. मानव के हृदय में स्वर्गद्वार 3. ईश्वर से अमरदान पाकर 4. सदा महान रहने वाले को **(ग)** 1. कविता में मानव की आंतरिक शक्तियों को जगाकर विश्व कल्याण व बंधुत्व की भावना विकसित की है, जिससे मानव के जीवन में नवीनता व प्रसन्नता का संचार हो सके। 2. कवि ने मनुष्यों को चिर मुँदे बताया है क्योंकि वे अपनी आंतरिक शक्ति को नही पहचान पा रहे हैं, कवि उनके जीवन में प्रसन्नता का संचार करना चाह रहा है। 3. कवि ने स्वर्ग का द्वार खोलने के लिए एक-दूसरे से प्रेम करते हुए बंधुत्व की भावना को विकसित करने के लिए कहा है। 4. अपने अन्तर्मन की शक्तियों को जगाकर, एक-दूसरे को बिना भेद भाव करते हुए प्रेम करते हुए मानव के हितों की रक्षा करते हुए जीवन में नया सवेरा लाया जा सकता है। **(घ)** प्रस्तुत पंक्तियों में कवि सुमित्रा नंदन पंत कहते हैं कि विश्व के प्रत्येक कोने में प्रेम रूपी किरणों को प्रचारित करते हुए भेद-भाव रूपी अँधेरे को मिटाकर मनुष्यों के अन्तर्मन में छुपी शक्तियों को जगाकर मानव के हृदय में स्वर्ग के द्वार खोले जा सकते हैं अथवा उसके जीवन में नवीनता एवं प्रसन्नता का संचार किया जा सकता है। **(ङ)** 1. विश्व शांति 2. भेदभाव मिटने से 3. सौन्दर्य पूर्ण सत्य का 4. नया सवेरा 5. सुमित्रानंदन पंत **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. उजाला, रोशनी 2. हृदय, दिल 3. सुरलोक, अदनवाटिका 4. रश्मि, किरण **(ख)** 1. नश्वर 2. असमान 3. मरण 4. शत्रु 5. अँधेरा 6. दानव **(ग)** संशय-संदेह 2. प्रत्येक (सभी) 3. रक्षा 4. सवेरा **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–2 भीड़ की भयानकता (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. मित्र की लड़की के विवाह में सम्मिलित होने के लिए 2. ट्रेन के अन्दर अत्यधिक भीड़ होने के कारण 3. बेरोजगारों की संख्या अधिक होने के कारण 4. जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख दुष्परिणाम – बेरोजगारी, मकान व खाद्यान्न का अभाव, व्यवस्था व अनुशासन का अभाव, बीमारियाँ एवं वातावरण का प्रदूषित होना आदि। 5. जब तक बच्चों के लालन-पालन की, रहन-सहन की, शिक्षा-दीक्षा की पूरी व्यवस्था न हों तो ये बच्चों की भीड़ दुखदायी बन जाती है। **(ग)** 1. लेखक को ट्रेन में बहुत भीड़ होने के कारण जगह नहीं मिली। 2. बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण लेखक के मित्र को मकान नहीं मिल रहा था। 3. परिवार के सदस्य व आबादी की अधिकता के कारण बीमारियाँ बढ़ रही है। 4. जब बच्चों के लालन-पालन, शिक्षा-दीक्षा व रहन-सहन की उचित सुविधाऐं व सक्षमता हों तो ही बच्चों की भीड़ बढ़ानी चाहिए। 5. आबादी का संतुलन बिगड़ने से सार्वजनिक स्थानों पर नियम और व्यवस्था पालन नहीं होता। **(घ)** 1. परिश्रमी व ईमानदार 2. बढ़ती जनसंख्या 3. बढ़ती जनसंख्या 4. दूषित खाने से 5. आबादी बढ़ने से **भाषा-ज्ञान –** 1. धीरे-धीरे 2. ऊपर 3. निकट 4. सदा **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)** 1. घनिष्ठ 2. सही आहार-विहार न होना 3. जड़भूति 4. काबिलियत **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–3 छोटा हिन्दुस्तान – मॉरीशस (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. मॉरीशस के लोगों के द्वारा (हिन्दू) कंधों पर काबड़ रखकर परी तालाब से जल भरकर शिवजी को चढ़ाया जाता है। 2. नैरोबी का नेशनल पार्क चिड़ियाघर नहीं है वहाँ पर बड़ा जंगल है लेकिन वृक्ष बहुत कम हैं। 3. गलियों के नाम – कलकत्ता, बम्बई, मद्रास, हैदराबाद एवं मोहल्ले का नमा काशी है। 4. अंग्रेजी 5. मॉरीशस की लम्बाई 47 कि.मी. और चौड़ाई 48 कि.मी. है। **(ग)** 1. शेरों के द्वारा लेखक की तरफ दृष्टिपात नहीं करने के कारण लेखक ने अपने आप को पेड़-पौधे व खरपतवार से भी बदतर समझा (शेर के नजरिये से)। 2. हिंदी भाषा के कारण मॉरीशस भारत के साथ जुड़ा है। 3. मॉरीशस के लोग श्वेत वस्त्र पहनकर काबड़ में परी तालाब का जल शिव जी को अर्पित करने के लिए लाते हैं। 4. हिरणों का झुंड एक गोल में खड़ा था क्योंकि वे जानते थे कि शेर झुंड में शिकार नही करते बल्कि अकेले पिछड़े हुए जानवर का करते हैं। 5. परी तालाब का जल शिव जी को चढ़ाया जाता है क्योंकि यह हिंदुओं की ऐतिहासिक भक्ति का पुण्यधाम है। 6. भारत की तरह मॉरीशस भी कृषि प्रधान देश है तथा बहुत से भारतीय बिहार व उत्तरप्रदेश के ही मॉरीशस में रहते हैं, एवं यहाँ की राजभाषा अंग्रेजी है लेकिन अधिकतर लोग भोजपुरी बोलते हैं। भारतीय शहरों के नाम पर ही यहाँ के गली-मोहल्लो के नाम हैं। यहाँ भी भारत की तरह प्रत्येक गाँव में शिवालय होता है। अत: लेखक ने मॉरीशस को छोटा हिन्दुस्तान कहा है। **(घ)** 1. मॉरीशस व भारतीय लोगों को हिंदी भाषा के कारण एक-दूसरे से बाँधा हुआ हैं। उन्हें आपस में आदान-प्रदान (विचारों का) करने में कोई परेशानी नहीं होती है, हिन्दी भाषा के कारण। 2. भारतीय संस्कृति बहुत ही प्राणवती एवं चिरायु हैं। थोड़े से लोगों ने ही उस छोटे से द्वीप को इतने बड़े भारत देश जैसा बना दिया इस बात का भारतीयों को गर्व होना चाहिए। **(ङ)** 1. पोर्टलुई 2. क्रेयोल 3. ईख 4. चीनी का 5. हिन्दी हिन्दू संस्कृति की रक्षा **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. राम 2. क्रिया को करने वाला कर्त्ता कहलाता है। 3. सात भेद हैं– कर्त्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण कारक। **(ख)** 1. विद्या + आलय 2. शिव + आलय 3. अधि + कांश 4. पर + उपकार **(ग)** 1. अत्यंत 2. रामायण 3. उच्चायुक्त 4. देशान्तर **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–4 परिश्रम ही पारस है (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. रवि, शशी, तारक 2. स्वर्ण, रजत, लोहा 3. देव ने चेतावनी दी कि एक बार में जितनी धातु निकालना चाहो उतनी निकाल लेना दुबारा घुसने का विचार मत करना नहीं तो बाहर नहीं आ सकोंगे। 4. तारक का **(ग)** 1. धन कमाकर व्यापार की शुरुआत करने के लिए तीनों बेटों को अपने पास बुलाया। 2. व्यापारी के मित्र माता प्रसाद के उसके पुत्रों को रहस्यमयी तरीके से धन कमाने के लिए तीन अलग-अलग गुफाओं में भेजा। 3. व्यापारी के दो पुत्र रवि व शशी खाली हाथ लौट आए क्योंकि उन्हें लगा कि थोड़े से लोहे को ले जाकर वे क्या करेंगे अत: वे खाली हाथ ही गुफा से बाहर आ गए। 4. छात्र स्वयं करें। 5. गुफा में पहुँचकर तारक ने सोचा कि मैं कितना भी लोहा ले जाऊँ हँसी का पात्र बनूँगा क्योंकि भाई तो सोना-चाँदी लेकर घर पहुँचेंगें। परन्तु खाली हाथ लौटना ठीक नहीं। 6. बुद्धि व परिश्रम से किया गया कार्य ही फलदायक होता है। **(घ)** 1. तीन 2. अपने मित्र माता प्रसाद के पास 3. देव ने 4. लोहा 5. तारक **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. विकार, विहार 2. उपसर्ग, उपहार 3. परिकर, परिचित **(ख)** 1. प्र + णाम 2. सु + गम 3. प्रति + उत्तर 4. अति + अंत **(ग)** 1. प्रस्तर 2. चन्द्र 3. कुपुत्र 4. मौक्तिक **(घ)** 1. आम या साधारण 2. आशा 3. दुख 4. कायर **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–5 भोलाराम का जीव (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. चित्रगुप्त ने 2. भोलाराम का जीव 3. प्रशासनिक व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण 4. नारद के अनुसार – इनकम टैक्स बकाया होने कारण भोलाराम का जीव नहीं पहुँचा होगा। 5. वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार पर। **(ग)** 1. भोलाराम का जीव पाँच दिन पहले देह त्यागने के बाद भी यम लोक नहीं पहुँचा था इसलिए चित्रगुप्त परेशान थे। 2. यमदूत ने बताया कि कैसे यमलोक की यात्रा के बीच से ही भोलाराम का जीव बीच में ही चकमा देकर गायब हो गया। 3. पेंशन अधिकारी ने भोलाराम की पेंशन के लिए रिश्वत माँगी। 4. भोलाराम का परिवार गरीब था और बहुत बार दरख्वास्त देने के बावजूद भी उनकी पेंशन नहीं मिली इसलिए उसका परिवार परेशान था। 5. भोलाराम का जीव पेंशन की दरख्वास्तों में अटका था क्योंकि इतनी अधिक दरख्वास्त लिखने के बाद भी अंत तक उसे पेंशन नहीं मिली। 6. इस कहानी से संदेश मिलता है कि हमें प्रशासनिक तंत्र में फैले भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने के लिए मिलजुल कर प्रयास करना चाहिए। **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. धर्मराज 2. पेंशन की फाइल में 3. उपर्युक्त सभी 4. भोलाराम के जीव को 5. पाँच दिन **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. कुरूपता 2. ईमानदारी 3. बुढ़ापा 4. भ्रष्टाचारिता **(ग)** 1. इमारतें 2. कार्यालयों 3. बाबुओं 4. बूढ़ें 5. ठेकेदारों **(घ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–6 कुछ काम करो (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. कार्य करने के लिए 2. स्वयं 3. भगवान का 4. सदैव कार्यशील होना 5. संसार को सपना न समझकर अपना मार्ग साफ-सुथरा व प्रशंसा के योग्य स्वयं बनाओं। संसार एक सच्चाई है इसलिए यहाँ कार्यशील बने रहो। **(ग)** 1. मेहनत व कार्य करके हम अपने शरीर का उपयोग कर सकते हैं। 2. संसार एक हकीकत है इसमें केवल सपनों की तरह सोचने से काम नहीं होता मेहनत करनी पड़ती है। 3. बिना निराश हुए, अपने शरीर का उचित उपयोग करके, समय का सदुपयोग करते हुए निराश न होकर कार्यशील बनने के लिए कवि कह रहा है। 4. जग में महान कार्य करके शारीरिक रूप से मरकर भी अमरत्व की प्राप्ति होती है। 5. मृत्यु के बाद गौरवगान मनुष्य के महान कार्यों द्वारा रह सकता है। **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. मैथिलीशरण गुप्त 2. अपने जन्म को 3. कर्मशील बनने की 4. सपना 5. सभी काम **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. अव + लंबन 2. वि + अर्थ 3. नि: + आश 4. सत् + उपाय **(ग)** 1. भारत + इय – भारतीय 2. भ्रातृत्व 3. पठित 4. पथिक **(घ)** 1. सुधा, सोम 2. रास्ता, मार्ग 3. संसार, जग 4. जंगल, अरण्य **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–7 सुरों का अज़ायबघर (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. लाल किले में 2. बिस्मिल्लाह खाँ के चाचा द्वारा संगीत की शिक्षा प्राप्त करने के बाद 3. बिस्मिल्लाह खाँ 4. 2001 में 5. 'अश्रु रूपी' बारिश द्वारा **(ग)** 1. उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ सरल हृदय व्यक्ति थे वे अपने संगीत से आत्मा की गहराइयों में उतर जाते थे इसलिए उनके जीवन को एक लोककथा कहा है। 2. बिस्मिल्लाह खाँ को 'भारत रत्न', संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, तानसेन पुरस्कार, मध्यप्रदेश राज्य पुरस्कार, 'पद्म विभूषण' जैसे सम्मान एवं विभिन्न उपाधियों से नवाजा गया। 3. प्रथम गणतंत्र पर सुरों की गंगा बिस्मिल्लाह खाँ द्वारा शहनाई वादन से पूरे वातावरण में प्रवाहित हो रही थी। 4. उनका मानना था कि संगीत, सुर और पूजा एक ही चीज है। 5. बिस्मिल्लाह खाँ के द्वारा जो संगीत शहनाई से बजाया जाता था तो सुनने वाले की आत्मा की गहराईयों में उतर जाता था, अत: उन्हें सुरों का अज़ायबघर कहा गया है। **(घ)** 1. शहनाई 2. बिस्मिल्लाह खाँ 3. भारत रत्न पुरस्कार 4. 21 अगस्त 2006 5. अलीबक्श विलायत से **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. विदुषी 2. कवियत्री 3. श्रीमती 4. साम्राज्ञी **(ख)** 1. सफलतापूर्वक 2. कठिनाईपूर्वक 3. सरलतापूर्वक 4. सहजतापूर्वक 5. बलपूर्वक **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)** 1. दण्ड 2. चेला 3. अपमान 4. सरल **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–8 सफलता की कुंजी (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. भेड़िया के स्थान पर कुत्ता देखकर 2. बाली को अपने सामने वाले की आधी शक्ति अपने अन्दर खींचने के वरदान प्राप्ति के कारण सुग्रीव भयभीत था। 3. पंखा बंद कर दिया। 4. हमारे भीतर व्याप्त भय, शंका और अधैर्य को लेखक ने डायनामाइट कहा है। 5. हतोत्साहियों, निराशावादियों, डरपोकों और सदा असफलता की मर्सिया पढ़ने वालों से दूर रहना चाहिए। 6. अविचल श्रद्धा **(ग)** 1. लेखक का मित्र अपनी पत्नी को भेड़िया के डर से खुद को बचाते हुए छोड़कर भाग गया। 2. सामने वाले की आधी शक्ति स्वयं में खीचने की शक्ति बाली में थी, क्योंकि लेखकानुसार बिना सोचे, तौले आत्मविश्वास की कमी से सामने वाले

को शक्तिशाली समझने से हमारी शक्ति वैसे ही आधी रह जाती है, और सामने वाले की दुगुनी। 3. कृष्ण ने सर्वोत्तम काम महाभारत के समय पांडवों को आत्मविश्वास से भरने का किया। 4. लेखकानुसार अनुभव वाणी है– मनुष्य के जीवन की सबसे अच्छी बात कि वो मानता व अनुभव करता रहे कि मेरे लिए सब अच्छा होगा और सफलता अवश्य मिलेगी। 5. यदि आप अपने आप को भाग्यवान मानते हैं तो कोई आपको अभागा नहीं बना सकता और यदि अभागा मानते हो तो भाग्यवान नहीं बना सकता। 6. जो व्यक्ति अपनी पूर्ण शक्ति के साथ खतरों से खेलते हैं उनके गले में ही विजय माला पड़ती है। **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. भय 2. पेड़ के पीछे से 3. आत्मविश्वास 4. अखंड विश्वास 5. आत्मविश्वास को **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. शिकारी हँसकर बोला, ''भले मानस, यह बेचारा कुत्ता है।'' 2. कृष्ण ने अर्जुन से कहा, ''परेशान मत हो, तू निश्चित रूप से युद्ध में शत्रुओं पर विजय पाएगा। **(ख)** 1. दुः + भाग्य 2. सफल + ता 3. अ + खंड़ित 4. तल्लीन + ता **(ग)** 1. नीति 2. अनिवार्य 3. परीक्षक 4. आत्महीनता **(घ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–9 अधिकार की रक्षा (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. तनख्वाह का हिसाब करने 2. चालीस रूबल 3. दस रूबल 4. जूलिया के भीरू, दब्बू और वोदा स्वभाव के कारण अन्याय का विरोध न करने के कारण लेखक क्रोधित हुआ। 5. पिछले लोगों की बजाय कुछ (11 रूबल) पैसे देने के लिए जूलिया ने लेखक का धन्यवाद दिया। **(ग)** 1. से 5. छात्र स्वयं करें। 6. अपने अस्तित्व को बनाये रखने के लिए कठोर, निर्मम एवं हृदयहीन संसार से पूरी ताकत के साथ लड़ने की सीख प्रस्तुत पाठ से मिलती है। **(घ)** 1. सीधापन को 2. रूबल 3. लेखक के बच्चों की शिक्षिका 4. ग्यारह 5. अधिकार की रक्षा **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. नहीं रहा गया 2. लिख रखा है। 3. लड़ना होगा। 4. नहीं बताया। **(ख)** 1. मैं 2. हमें 3. उसने 4. तुम्हें **(ग)** 1. अध्यापक 2. मालिक 3. बच्चा 4. लेखक **(घ)** 1. नदी का किनारा, त्रिशूल 2. किसी के हित में, पखवाड़ा 3. पंख, लेकिन 4. ब्राह्मण, चन्द्रमा **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–10 सभ्यता के विकास में प्रदूषित नदियाँ (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. गायों को चराने ले जाना ही गो चारण कहलाता है। 2. यमुना के पवित्र जल से आचमन करने मोहिनी वहाँ जाना चाहती थी। 3. यमुना नदी 4. यमुना के अपवित्र व बदबूदार पानी को देखकर 5. यमुना एक्शन प्लान का उद्देश्य लोगों को यमुना नदी की सफाई के लिए अर्थात् प्रदूषित होने से बचाने के लिए जागरूकता पैदा करना। **(ग)** 1. यमुना नदी के तट पर श्रीकृष्ण ग्वाल-बालों के साथ गोचारण के समय खेला करते थे एवं वहाँ स्थित कदंब के पेड़ पर बैठकर बाँसुरी बजाते थे। 2. नदियों का जल-प्रदूषित होने के निम्न कारण हैं– (1) कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग (2) कारखानों से बहकर आने वाला पानी (3) पशुओं को नहलाने एवं मल-मूत्र त्यागने से (4) मूर्तियों के विसर्जन से 3. जल-प्रदूषण से हैजा, टायफाइड, पीलिया एवं अनेक प्रकार के चर्म रोग हो जाते हैं। 4. नदियों के प्रति हमारा कर्त्तव्य है लोगों को नदियों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए जागरूकता पैदा करना। 5. जल प्रदूषण को रोकने के लिए सफाई अभियान चलाकर, पोस्टरों, नारेबाजी द्वारा और 'संकल्प शक्ति से सफलता' मंत्र को अपनाकर जागरूकता लाई जा सकती है। **(घ)** 1. उक्त सभी 2. कदंब के पेड़ पर 3. यमुना 4. खेतों में कीटनाशक छिड़काव 5. जन जागरुकता से **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. ही 2. ही 3. ना 4. केवल **(ख)** 1. अकर्मक 2. सकर्मक 3. अकर्मक 4. सकर्मक **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)** 1. कालिन्दी, भानुजा 2. कान्हा, कन्हैया, गोपाल 3. सतु, बेटा 4. बीमारी, पीड़ा **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–11 ममता का वरदान (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. बिस्मिल के पिता वकील से कहकर गये थे कि जो काम हो वह मुझसे करा लेना। 2. बिस्मिल की माँ ने उनका विवाह शिक्षा पूरी करने के बाद के लिए कहा। 3. बिस्मिल ने वर माँगा कि अंतिम समय में भी मेरा हृदय विचलित न हो तुम्हारे चरणों में प्रणाम करता हुआ एवं परमात्मा को स्मरण करके मैं शरीर-त्याग करूँ। 4. बिस्मिल ने 5. शिक्षा **(ग)** 1. बिस्मिल की दादी व पिता उनके देशभक्ति के कार्यों व लखनऊ कांग्रेस में जाने के विरोध में थे। 2. बिस्मिल झूठ का सहारा नहीं लेते थे जैसा कि उनके हस्ताक्षर (पिता की जगह) नहीं करने से मुकदमा खारिज हो गया था। 3. बिस्मिल के आर्य समाज में प्रवेश लेने के बाद माता के साथ अधिक वार्तालाप करने से उनके विचार अधिक उदार हो गए थे। 4. बिस्मिल की एक मात्र इच्छा थी लखनऊ क्रांग्रेस में जाने की जिसका दादी व पिता के द्वारा विरोध किए जाने पर माता द्वारा ही खर्च प्रदान किया गया। 5. बिस्मिल की माँ ने केवल उसका पालन पोषण ही नहीं किया बल्कि आत्मिक, धार्मिक एवं सामाजिक उन्नति में भी साथ दिया। उन्होंने प्रोत्साहन व सद्व्यवहार से बिस्मिल के जीवन में दृढ़ता उत्पन्न की। महान से महान संकट में भी पुत्र को अधीर नहीं होने दिया। **(घ)** 1. रामप्रसाद बिस्मिल 2. कांग्रेस अधिवेशन में भाग लेने 3. माँ का 4. शाहजहाँपुर में 5. भारत माता **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. पंख 2. आँख 3. पाँव 4. रंक **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)** 1. धर्म + इक 2. समाज + इक 3. इतिहास + इक 4. भूगोल + इक **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–12 फाग गाता सावन (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. फाल्गुन के महीने में असमय वर्षा का 2. फाल्गुन मास में 3. वर्षा के कारण 4. हरी-भरी **5.** हरियाली **(ग)** 1. असमय की वर्षा से किसान अपनी फसल के लिए परेशान हो जाते हैं। लोगों के सभी कार्य प्रभावित होते हैं। बिमारियाँ बढ़ती हैं। 2. कवि ने आश्चर्यचकित होते हुए कहा कि आज कहा से फिर आ पहुँचा फाल्गुन में सावन' क्योंकि अधिकाशतः सावन के महीने में ही बारिश होती है। 3. जीवन-धन अर्थात् अमूल्य जल जो कि जीने के लिए अत्यंत आवश्यक है। रस-धन अर्थात् बारिश के कारण ही खेतों में फसलें लहलहाती हैं तथा प्रत्येक प्राणी (मनुष्य एवं जीव-जंतु) भोजन प्राप्त करते हैं। 4. कष्ट के बिना मिले सुख का महत्त्व इसलिए नहीं होता है क्योंकि मनुष्य सुख का आदि हो चुका होता है और उसे अधिक सुख प्राप्त करके भी खुशी नहीं मिलती है लेकिन बहुत दुःखों के बाद खुशी मिलने पर उसके आनन्द की सीमा अपार होती है। 5. फाल्गुन मास में होने वाली वर्षा से मिट्टी की खुशबू व पतझड़ के

बाद डालियाँ फिर हरी हो उठी एवं मौसम बहुत ही सुहावना हो गया है इसका वर्णन कविता में विशेष रूप से किया गया है। **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. फाल्गुन में 2. बरसात का 3. सावन में 4. बरसात आने के कारण 5. शिव मंगल सिंह 'सुमन' **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. सेनापति शिवाजी के साथ लड़ाई लड़ेगा। 2. पुराने समय में असमय वर्षा होती थी। 3. फाल्गुन में होली का त्योहार आता था। 4. मैं कक्षा में कविता सुनाता हूँ। **(ख)** 1. वर्षा 2. श्रावन 3. मृदा 4. स्वप्न 5. अक्षु **(ग) तत्सम** – उन्माद, यौवन, उपवन; **तद्भव** – आसमान, धरती, शाम; **देशज** – सौंधी, फाग; **विदेशी** – बिजली, कज़ली, शोख **(घ)** 1. बरसात, बारिश 2. मृदा, माटी 3. जिंदगी, जीना 4. कीमत, कद्र **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–13 लाइलाज़ बीमारी (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. कांति के मित्र विनोद को 2. डॉ. गुप्ता, बूढ़ा नौकर सुखिया, पंडित, ओझा पुजारी वैद्य हरिचंद आदि। 3. चन्द्रकांत अंग्रेजी सभ्यता व वहाँ के रहन-सहन से प्रेम करने वाला, नौकरों पर निर्भर रहने वाला हृष्ट-पुष्ट व्यक्ति है। 4. ओझा झाड़-फूँक करके मरीजों का इलाज करते हैं। 5. सुखिया ओझा से पानी लाया था। **(ग)** 1. विनोद के इलाज के लिए कांति ने डॉ. भटनागर जो कि होम्योपैथी के डॉक्टर है उनसे इलाज कराने का सुझाव दिया था। 2. अलग-अलग मानसिकता व दृष्टिकोण के कारण घर के सभी सदस्यों में मत वैभिन्य था। 3. विनोद का इलाज तरह-तरह के डॉ. वैद्य, नीम-हकीम, होम्योपैथी, आदि के द्वारा किए जाने के कारण व सबकी अपनी जिद के कारण हो सका। 4. प्रस्तुत एकांकी समाज के लोगों की मानसिकता का चित्रण करती है उनमें व्याप्त अंधविश्वास व कुरीतियों के कारण मत वैभिन्य को दर्शाती है। 5. बीमारी का इलाज करवाने के लिए चन्द्रकांत के डॉ. गुप्ता को, कांति ने डॉ. नानकचंद, सरस्वती ने वैद्य हरिचंद की ओर पंडित को, सुखिया ने ओझा को बुलाया। **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. कांति 2. सरस्वती 3. आयुर्वेदिक 4. मंत्राभिषिक्त जल 5. डॉक्टर ने **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. **उपयुक्त** - उचित, तत्पर, **उपर्युक्त** - पूर्वोक्त, जिसका उल्लेख या चर्चा पहले या ऊपर हो चुकी हो, 2. **कुल** - वंश, **कूल** - किनारा 3. **वात** - हवा, वायु, **बात** - वार्तालाप, बातचीत 4. **अधर** - ओट, **आधार** - नींव, बुनियाद, 5. **योग** - मिलाप, मेल, **योग्य** = लायक **(ग)** 1. **उत्** - उत्साह, उत्तम, 2. **सम्** - समन्वय, समवाय 3. **उप** - उपकार, उपवन 4. **प्र** – प्रबल, प्रहार 5. **वि** - विपक्ष, विकास **(घ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–14 माता को लिखा पत्र (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. भारतमाता की गुलामी की व्यथा को व्यक्त किया है। 2. स्वार्थभाव के कारण परिश्रम से जी चुराने वाले लोगों की चिन्ता व्यक्त की गई है। 3. बाबू लोगों की 4. हम लोग श्रम को छोटे लोगों का काम समझकर उससे घृणा करते हैं। 5. स्वार्थ को त्यागकर भारतमाता की सेवा में जुट जाने का प्रण दर्शाया है। **(ग)** 1. हमारा जीवन श्रेष्ठ कर्म न करने के कारण व्यर्थ हो जायेगा। 2. लेखक बाबूओं की मानसिकता के बारे में कि श्रम केवल छोटे लोग ही करते हैं, कहना चाहता है। 3. हमारा ध्यान मानवता की ओर स्वार्थ के कारण नहीं जाता है। 4. लोगों की दुर्दशा देखते हुए, उनके स्वार्थमय होने से वे परिश्रम न करके आलसी हो गए हैं जिसके कारण भारतमाता को रुदन करते हुए दिखाया है। 5. इस पाठ में लेखक स्वार्थ त्यागकर भारतमाता की सेवा में जुटने का संदेश दे रहा है। **(घ)** 1. पत्र शैली 2. चौरासी लाख 3. स्वार्थ 4. श्रम करने 5. हम ज्ञान-विवेक खो चुके हैं। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. दास, बेचारा 2. परतंत्र, बंदी 3. गरीब, रंक 4. सूचना, जानकारी **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. पक्का, धक्का, 2. हास्य, रहस्य 3. प्यास, प्राप्य 4. दिग्गज, घग्गर **(घ)** 1. अधिकरण 2. सम्बन्ध 3. कर्त्ता 4. कर्म, सम्बंध **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-15 वास्तुकला के अद्भुत नमूने (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. विचारों व भावों का मूर्त रूप ही कला है। 2. उपयोगी कला में बढ़ई, कुम्हार, सुनार, मिस्तरी, जुलाहे आदि के व्यवसाय होते हैं। जबकि वास्तुकला में मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत व नृत्यकला एवं काव्य कला आती है। 3. यहाँ के मकान दो मंजिलें एवं पक्की ईंटों से बनाये गए थे। 4. मध्यप्रदेश के भोपाल से तीस किमी दूर 5. दिल्ली में कुतुबमीनार के पास बना 'लौह-स्तंभ' 6. ताजमहल व बुलंद दरवाजा। **(ग)** 1. कला के दो रूप हैं– (1) उपयोगी कला (2) वास्तुकला उपयोगी कला में बढ़ई, कुम्हार, सुनार, मिस्तरी, जुलाहे आदि के व्यवसाय होते हैं। जबकि वास्तुकला में मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत व नृत्यकला एवं काव्य कला आती है। 2. भारतीय कला का स्वर्णयुग मुगलकाल को कहा जाता है क्योंकि उस समय ताजमहल, बुलंद दरवाजा, लाल किला निर्मित हुए। 3. मुगलकाल की वास्तुकला का नमूना आगरा का ताजमहल जो कि संसार के सात आश्चर्यों में से एक हैं एवं उस समय अमृतसर का स्वर्णमंदिर, फतेहपुर सीकरी का बुलंद दरवाजा, दिल्ली का लाल किला का निर्माण हुआ। 4. अशोक चक्र जो कि हमारे राष्ट्र ध्वज में भी अंकित हैं और चारों सिंहों की आकृति हमारे देश के राजकीय कागजों की मुहर है। 5. दक्षिण भारत में तंजावूर, चिंदबरम, मदुरई, रामेश्वरम आदि स्थानों पर बने अनेक मंदिर इसके उदाहरण हैं। 6. भारतीय वास्तुकला वास्तव में अद्भुत व अद्वितीय है। प्राचीनकाल में भारत की समृद्धि अपनी चरमोत्कर्ष पर थी। भारतीय वास्तुकला का अद्भुत नमूने मोहनजोदड़ो व हडप्पा नगरों में मिलता है। **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. राजमिस्तरी 2. लगभग पाँच हजार वर्ष पूर्व का 3. चन्द्रगुप्त मौर्य के महल का 4. मौर्यकाल को 5. उड़ीसा में **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. राजा ने प्रजा की रक्षा करी। 2. धोनी ने इस मैच में शतक लगाया। 3. राकेश ने गाना गाया। 4. माताजी ने मिठाइयाँ बनाई। **(ख)** 1. मानवीयता 2. उत्कृष्टता 3. कलाकारी 4. भव्यता **(ग)** 1. अद्वितीय 2. प्रतिबिम्ब 3. समृद्धि 4. श्रेष्ठ **(घ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-16 स्नेह देकर तो देखो (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. मित्र या शत्रु, परिचित या अपरिचित, बड़ा या दीन सबके साथ प्रेम का व्यवहार करना चाहिए। 2. हर जगह प्यार जा सकता है। 3. प्यारा जतन 4. दयालु, गरीब की जो स्नेह की भीख माँगता हुआ चल बसा। 5. किसी भी व्यक्ति से स्नेहपूर्वक वार्तालाप करके हम उसके अन्दर नई चेतना का संचार कर देते हैं। **(ग)** 1. हमें दोनों के ही साथ प्रेम व स्नेह पूर्ण व्यवहार करना चाहिए। 2. गलत राह पर चलने वाले को प्यार से व स्नेह से समझाया जा सकता है। 3. स्नेह देकर देखने के लिए कहा है क्योंकि जो कार्य डाँट फटकार से नहीं होते हैं अक्सर वे प्यार व स्नेह से तुरन्त हो जाते हैं। 4. भ्रष्ट जमाने को प्रेम, व प्यार के भाव से सुधारा जा सकता है। 5. इस कविता में स्नेह व करुणा के भावों को प्रकट करने की बात कही है। मानव जीवन की कटुता व विषम परिस्थितियों में प्रेम से भरे बोल मनुष्य में नई चेतना का संचार कर देते हैं। **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. तीनों 2. कार्य के प्रति लापरवाही की 3. स्नेह का 4. गिरे हुए को उठाने को 5. भवानी प्रसाद मिश्र **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. रसोई के लिए घर 2. प्रयोग के लिए शाला 3. राजा का मंत्री 4. लोक में प्रिय 5. रोग से मुक्त **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. अपरिचित 2. अपयश 3. नफरत 4. नरम 5. उत्थान **(घ)** 1. जिव्हा 2. नेकी 3. प्रयास 4. सौगन्ध **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–17 स्वभाव परिवर्तन (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. प्रकृति के साथ मिलकर हँसना, बातें करना, खेलना इन सबका लेखक को शौक था। 2. वानर दल की ओर 3. घुमक्कड़, आवारा 4. माता वानरी ने गुस्से से दोनों हाथों से दबाकर उसे नोंचा इसलिए खून बहने लगा। **(ग)** 1. दूसरे पेड़ पर वानर शिशु इधर-उधर उछल-कूद मचाने की चेष्टा में थे। 2. बंदरों के चेहरों पर क्रोध की कठोरता उनके जालीदार गाड़ी में कैद (परतंत्र) होने के कारण थी। 3. लेखक ने स्वतंत्र विचरण करते हुए वानरों के बीच का प्रेम, उमंग एवं उछल-कूद देखी थी इसलिए वह वानर जीवन से प्रभावित हुआ। 4. परतंत्रता के फलस्वरूप वानरी का स्वभाव परिवर्तित हो गया था वह एक दम क्रूर व आक्रामक हो गई अत: उसने अपने बच्चे को भी दूध नहीं पिलाया। 5. बाग में बंदर स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे थे इसलिए वे उछलकूद और प्रेम का वितान कर रहे थे। जबकि जालीदार गाड़ी में बंद वानरों का स्वभाव एकदम विपरीत था क्योंकि स्वभाव परिवर्तन परतंत्रता व स्वतंत्रता जैसी परिस्थितियों पर निर्भर करता है। **(घ)** 1. बंदरों के 2. पेड़ की 3. हरिद्वार 4. पचास **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. तरु, विटप 2. दुग्ध, क्षीर 3. माथा, सिर 4. अरण्य, वन 5. वानर, कपि 6. समुद्र, पयोधि **(ग)** 1. आद्र 2. परतंत्र 3. प्रतिकूल 4. सरस 5. वियोग 6. अंधियारा **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-18 बूढ़ी काकी (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. पति व बेटों के गुजर जाने के कारण 2. बूढ़ी काकी को जूठी पत्तलों पर से पूड़ियों के टुकड़े उठा-उठाकर खाते देखा। 3. बुढ़ापा बचपन का पुनरागमन है क्योंकि बुढ़ापे में इंसान बच्चा बन जाता है, छोटी-छोटी चीजों के लिए जिद करता है और बच्चों की तरह स्वाद की चेष्टा करता है। 4. काकी को पूड़ियाँ खिलाने के लिए बेचैन लाड़ली को नींद नहीं आ रही थी इसलिए वह जगी हुई थी। **(ग)** 1. लाड़ली हरिराम की छोटी लड़की थी वह अपने हिस्से की मिठाई हमेशा बूढ़ी काकी के पास जाकर खाया करती थी अत: बूढ़ी काकी का उससे बहुत अनुराग था। लाड़ली बहुत ही दयालु लड़की थी वह सब कुछ खाने की चीजें काकी से साझा करती थी। 2. मसालों की सुगंध ने काकी को बेचैन कर दिया। काकी की परिकल्पना के अनुसार पूड़ियाँ लाल-लाल, फूली-फूली, नरम-नरम होंगी, अजवाइन भी डली होगी। 3. हमें वृद्ध जनों के साथ प्यार व सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। **(घ)** 1. हरिराम 2. लाड़ली 3. मुखराम का 4. रूपा 5. लाड़ली **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. पुन: + आगमन 2. नारी + इच्छा 3. सह + अनुभूति **(ख)** 1. क्रिया से 2. विशेषण 3. सर्वनाम 4. विशेषण 5. अव्यय **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)** 1. अपूर्ण भूतकाल 2. पूर्ण भूतकाल 3. आसन्न भूतकाल **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–19 रहीम के दोहे (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. भगवान 2. मन की व्यथा मन में ही रखनी चाहिए क्योंकि सब सुन तो लेंगे पर कोई भी हमारा दु:ख बाँटेगा नहीं। 3. सँचहि **(ग)** 1. वृक्ष और तालाब से हमें परोपकार के बारे में समझाया गया है। 2. रहीम के अनुसार कभी-कभी बड़ी से बड़ी तलवार वह कार्य नहीं कर सकती जो एक सुई कर देती है। अत: हमें बड़ों को देखकर छोटों की उपेक्षा व अपमानित नहीं करना चाहिए। 3. रहीम के अनुसार चंदन के पेड़ पर साँप जो कि विषधारी होता है, लिपटा रहने पर भी चंदन में विष व्याप्त नहीं होता है उसी प्रकार उत्तम प्रकृति के लोगों पर भी बुरीसंगत का असर नहीं होता है। **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. पानी 2. वृक्ष 3. व्यथा 4. सुई **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. ईश्वर, प्रभु 2. कृपाण, करवाल 3. सर्प, नाग 4. विपट, वृक्ष **(ख)** 1. सुसंग 2. सनाथ 3. अमृत 4. बड़ा **(ग)** 1. सम्मान 2. छोड़ना 3. क्या 4. के लिए 5. कोई **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

मॉडल टैस्ट पेपर – 1 – छात्र स्वयं करें।

मॉडल टैस्ट पेपर – 2 – छात्र स्वयं करें।

मॉडल टैस्ट पेपर – 3 – छात्र स्वयं करें।

पाठ–1 फूल की अभिलाषा (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. देवांगनाओं और देवकन्याओं को सुरबाला कहते हैं। 2. श्री माखन लाल चतुर्वेदी 3. पुरुष केवल देश की रक्षा के लिए तैनात सिपाहियों के कदमों तले कुचला जाना चाहता है। 4. जो पुरुष अपनी खुशियों का त्याग करके दूसरों के हित के लिए अपने प्राणों को भी न्यौछावर करने का साहस रखता है वह वीर कहलाता है। **(ग)** 1. 'सम्राट' बड़े लोगों व बड़े बादशाह के लिए प्रयुक्त हुआ है। वे लोग वीर पुरुषों के जैसे प्राणों को न्यौछावर करने का साहस नहीं करते हैं। 2. अपने भाग्य पर (देवों के सिर पर चढ़कर) इठलाना नहीं चाहता। 3. पुष्प सम्राटों के शव पर, देवों के सिर पर, देवांगनाओं के गहनों में गुँथा जाना व चढ़ा जाना नहीं चाहता है। 4. वीर पुरुष अपनी मातृभूमि की रक्षा जैसा बड़ा ही साहसिक कार्य करते हैं अत: वह उनके पैरों द्वारा कुचला जाना चाहता है। 5. पुष्प सुरबाला के गहनों में गुँथ कर किसी को ललचाना नहीं चाहता है। **(घ)** 1. देशभक्ति 2. वीरों के पथ पर फेंकने 3. देवों के 4. वीर **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. बादशाह, राजा 2. देवता, सुर 3. पुष्प, कुसुम **(ख)** 1. प्रेमिका 3. मालिन 5. प्यारा **(ग)** 1. घुड़सवार 2. रसोईधर 3. वनवास **(घ)** 1. सम्राटों 2. पथों 3. देवों 4. मालियों 5. वीरों **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–2 आत्म-कथा (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. सदाचारी व अत्यन्त होशियार 2. अनुशासन 3. सदाचार 4. खेल-कूद व व्यायाम पर 5. मातृभाषा के उपरांत हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, अरबी एवं फारसी भाषा को सीखना लेखक ने जरूरी बताया है, क्योंकि केवल इन भाषाओं के ज्ञान से अन्य कई भाषाओं का ज्ञान सुगमता से हो जाता है। 6. लेखक के पास घड़ी न होने के कारण और बादल छाए हुए होने के कारण उसे समय का पता नहीं चला। यहीं कारण लेखक ने अपने अध्यापक को कसरत के लिए समय पर न पहुँचने का बताया लेकिन उसे विश्वास नहीं हुआ 7. लेखक को संस्कृत शिक्षक ने संस्कृत सीखने के लाभ बताये व विकास होने के लिए कहा। **(ग)** 1. लेखक बचपन से ही मेधावी छात्र थे। उनके माता-पिता को उनसे कोई शिकायत नहीं मिली। 2. लेखक के अध्यापक नियमों के पालन व विधिपूर्वक कार्य करने पर बल देते थे। लेखक को अपने पिता की सेवा-सुश्रूषा करनी होती थी इसलिए वह कसरत करने समय पर नहीं पहुँच पाता था। 3. लेखक विद्यार्थी काल में आचरण को लेकर बहुत ही सतर्क रहते थे क्योंकि वे किसी से भी उलाहना नहीं सुनना चाहते थे। 4. लेखक की लिखाई अच्छी नहीं थी और शुरु से बाद तक वह लिखाई में सुधार न कर पाया क्योंकि उसके मन में बैठ गया था कि सुलेख का पढ़ाई से कोई ताल्लुक नहीं होता है। बाद में विदेशों में बच्चों की लिखाई देखकर वे लज्जित हुए। 5. लेखक के जीवन में राम-नाम का महत्त्व बताने वाली रंभा दाई थी। उसका राम-नाम लेखक के लिए एक अमोद्य शक्ति बन गया इसलिए वे रंभा दाई को याद करते हैं। 6. मातृभाषा के उपरांत हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, अरबी एवं फारसी है। भाषा को सीखना लेखक ने जरूरी बताया है, क्योंकि केवल इन भाषाओं के ज्ञान से अन्य कई भाषाओं का ज्ञान सुगमता से हो जाता है। 7. लेखक को अपने जीवन की सबसे बड़ी कमी लड़कपन में अच्छे गुणों का श्रवण-पठन न हो पाने की खलती रही। 8. लेखक ने अपने स्वास्थ्य को सुबह भ्रमण करके स्वस्थ रखा व खेल को महत्व नहीं देते थे। क्योंकि उस समय उनका मानना था कि व्यायाम का (कसरत) शिक्षा से कोई सम्बन्ध नहीं है। **(घ)** 1. इनाम 2. सदाचार 3. हेड़मास्टर 4. सुलेख 5. व्यायाम 6. आत्मकथा 7. महान ग्रंथों को पढ़ने का **(ङ)** 1. ध्यान (ख्याल) 2. हेड़ 3. कसरत का 4. दंड का पात्र 5. खत-लेख **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. अज्ञानी 2. नरम 3. शुभ 4. योग 5. प्यार 6. अच्छे **(ख)** 1. पूर्व + उक्त 2. पुरुष + उत्तम 3. वार्षिक + उत्सव 4. महा + उत्सव **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–3 बहुत दिनों के बाद (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. अपने गाँव 2. किशोरियों के धान कूटते समय मधुर गाना गाते हुए देखा। 3. गन्ने का 4. मौलसिरी के 5. गाँव की पगडंडी की मिट्टी को **(ग)** 1. इस कविता के माध्यम से कवि ने गाँवों में मिलने वाले अपूर्व आनन्द और संतुष्टि का वर्णन हर्ष स्पर्श, रस, रूप और खुशबू से व्यक्त किया है। 2. कवि ने खिलती फसल की मुस्कान की बात कही है। उन फसलों को लहलहाता देख कर उसे असीम आनन्द की प्राप्ति हुई। 3. कवि ने किशोरियों को मधुर गीत गाते हुए ध्यान कूटते देखा। 4. प्रस्तुत कविता एक कविता संग्रह 'युगधारा' जो कि नागार्जुन द्वारा रचित है से ली गई है। 5. इस कविता में कवि ने असीम हर्ष, स्पर्श, रस, रूप और खुशबू का अनुभव किया क्योंकि वह बहुत दिनों के बाद उसने अपना गाँव देखा था। **(घ)** 1. युगधारा 2. गन्ने का 3. किशोरियों की 4. चन्दनवर्णी 5. मौलासिरी **भाषा-ज्ञान (क)** 1. कुसुम, सुमन 2. खुशबू, बास 3. भूमि, धरा **(ख)** 1. किसी बात को न जानते हुए भी दिखावा करना। 2. थोड़ा-सा ज्ञान पाकर इतराना। 3. एक वस्तु, अनेक इच्छुक 4. बहुत कम मात्रा में होना। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–4 कथनी और करनी (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. बाल-मजदूरी व गरीबों को भी शिक्षा का अधिकार है इस समस्या को उठाया गया है। 2. सभी गरीब व अमीर बच्चों को समान अधिकार दिलाने का वर्ष 3. स्वाति की हरकतों से तंग आकर 4. स्वाति के माता-पिता छुटकी का स्कूल नहीं भेजना चाहते थे वे केवल स्वाति के सामने हाँ में हाँ मिला रहे थे। स्वाति की बातों से उन पर कोई असर नहीं हो रहा था। ऐसे ही बड़े आदर्शों की बाते करते थे। 5. स्वाति गरीब बच्ची छुटकी को भी काम-छोड़कर स्कूल में दाखिला दिलाना चाहती थी। **(ग)** 1. स्वाति को छुटकी के स्कूल न आने का बहुत दु:ख था, इसलिए वह गुमसुम बैठी थी। 2. स्वाति की टीचर के अन्तर्राष्ट्रीय बाल वर्ष

की महत्ता बताते हुए गरीबों को समान शिक्षा के अधिकार और उन्हें अच्छा रहन सहन प्रदान करने एवं उनको बाल श्रम के कानून के बारे में बात करके स्कूल में पढ़ने के लिए मनाने की बात समझाई। 3. स्वाति की बात सुनकर छुटकी की माँ ने नाराजगी जताते हुए कहा कि छुटकी का दिमाग खराब हो गया है। अंत में पिता से पूछने के बहाने वह काम छोड़कर चली गई। 4. स्वाति की बात सुनकर छुटकी की माँ ने कहा वह हर रोज छुटकी से काम नहीं करवाती, छुटकी जिस दिन जल्दी होती है, उस दिन वह काम में उसका हाथ बँटा देती है। 5. स्वाति ने रोते हुए अपनी माँ से लिपटकर कहा अगर माँ मैं भी बड़ी होकर तुम्हारी तरह उलट-पुलट हो जाऊँ तो? ''अगर बेवकूफ़ बन जाऊँ तो? और में यह भूल जाऊँ कि सभी लोग एक समान हैं।'' स्वाति की इस बात में सच्चाई साफ दिखाई देती है। **(घ)** 1. बाल-मजदूरी 2. छुटकी को 3. बाई 4. उसे विद्यालय भेजे। 5. छुटकी को विद्यालय भेजेंगे। **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. छुटकी क्या करती है? 2. स्वाति के पिता कहाँ गए? 3. स्वाति की माँ ने स्वाति को क्या दिया? **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–5 भारतीय पर्व एवं उसका मूल्य (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. माँ सरस्वती की पूजा की जाती है और पीला भोजन एवं पीले वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। 2. कुरान शरीफ की उत्पत्ति की खुशी में ईद का त्योहार मुसलमानों द्वारा मनाया जाता है। 3. रक्षा बंधन का त्योहार हमें भाई बहन के आपसी प्यार व मान सम्मान को बनाये रखने की शिक्षा देता है। 4. इस दिन तिल, गुड़, मूँगफली आदि का अग्नि प्रज्जलित करके पंजाब में लोगों द्वारा उसमें अर्पित किया जाता है वहाँ इसे लोहड़ी के रूप में मनाया जाता है। 5. मकर संक्राति के दिन सूर्य मकर राशि में (दक्षिणायन से उत्तरायन में) प्रवेश करता है और दिन बढ़ने और रातें घटने लगती है। **(ग)** 1. त्योहार भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। सामाजिक जीवन में इनका बड़ा महत्व है। ये त्योहार मानव सभ्यता से जुड़े हुए हैं। पहले मनोरंजन के साधन नहीं होते थे इसलिए लोग त्योहारों के माध्यम से ही आनन्द व खुशी व्यक्त करते थे। 2. कुरान शरीफ की उत्पत्ति की खुशी में ईद का त्योहार मुसलमानों द्वारा मनाया जाता है। मुस्लिम लोग रमजान के महीने में एक महीने तक रोजे रखते हैं। 3. होली का त्योहार होलिका एवं प्रहलाद की कथा से जुड़ा है। इस त्योहार के लिए एक दिन होलिका दहन किया जाता है। दूसरे दिन लोग एक-दूसरे पर रंग गुलाल डाल कर खुशियाँ मनाते हैं। किसान लोग गेहूँ व चने की फसल पकने पर खूब नाचते-गाते हैं। 4. पोंगल व ओणम क्रशम: तमिलनाडु एवं केरल के त्योहार हैं। दूध व चावल के पकवान बनाये जाते हैं, और सूर्य की उपासना की जाती है एवं पशुओं की भी पूजा की जाती है। नावों की रेस आयोजित की जाती है। 5. गणेश चतुर्थी महाराष्ट्र में दस दिन तक भगवान गणेश की उपासना करते हुए मनाई जाती है और दसवें दिन गणेश की मूर्ति को जल में विसर्जित कर दिया जाता है। 6. ईसा-मसीह का जन्मदिन 25 दिसम्बर को मनाया जाता है। इसे 'क्रिसमस' भी कहते हैं। गुड़ फ्राइड़े के दिन ईसा मसीह को क्रूस पर चढ़ाया गया था। 7. दीवाली के दो दिन पहले 'धनतेरस' उसके बाद 'छोटी दीवाली' और दीवाली के एक दिन बाद गोवर्धन पूजा और अगले दिन 'भाई दूज' मनाते हैं। लोग अपने घरों को साफ करके रंगाई-पुताई करते हैं। तरह-तरह के पकवान बनाये जाते हैं। लक्ष्मी गणेश की पूजा करते हैं। पूजा के बाद आतिशबाजी की जाती है। 'गोवर्धन पूजा' के दिन अन्नकूट बनाया जाता है और 'भाई-दूज' के दिन बहन भाई को तिलक करती है। **(घ)** 1. संस्कृति 2. स्वतंत्रता दिवस को 3. पाँच दिन तक 4. बंगाल 5. बुराई पर अच्छाई की विजय **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. डरपोक 2. निर्भीकता 3. साहसी **(ख)** 1. लड़की 2. बकरी 3. गधी 4. चाची **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–6 आयुर्विज्ञानी सुश्रुत (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. वाराणसी एक शिक्षा का सबसे बड़ा केन्द्र था, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। 2. भगवान धन्वंतरि का 3. 'सुश्रुत संहिता' एक चिकित्सा ग्रंथ है, यह महान चिकित्साशास्त्री दिवोदास द्वारा लिखित है। 4. प्राचीन काल में शल्य औजार प्राय: लौह धातु या चाँदी से बनाए जाते थे। 5. 'नालंदा व तक्षशिला' उच्चकोटि की शिक्षा प्राप्त करने के लिए विश्वविख्यात विश्व विद्यालय रहे हैं। **(ग)** 1. गंगा किनारे बसा प्राचीन नगर वाराणसी शिक्षा का बड़ा केन्द्र था जहाँ विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते थे। 2. 'सुश्रुत संहिता' के अनुसार शल्य चिकित्सा में प्रयुक्त औजार चाँदी या लोहे के बने होते थे और शरीर में चीरा कैसे और कहाँ लगाएँ यह सब का वर्णन भी मिलता है। इसके अन्तर्गत 120 अध्याय हैं जिन्हें छ: भागों में बाँटा गया है– सूत्रस्थान, निदान स्थान, शरीरस्थान, चिकित्सास्थान, कल्पस्थान और उत्तर स्थान। 'सुश्रुत संहिता' में शल्य चिकित्सा के लगभग हर महत्त्वपूर्ण पहलू पर विस्तृत जानकारी दी गई है। 3. 'सुश्रुत संहिता' के अनुसार शल्य यंत्रों की संख्या 101 बताई गई है। इन यंत्रों को हिंसक पशु तथा पक्षियों के मुँह के आकार के अनुसार नाम दिए गए हैं, इन्हें लौह धातु या चाँदी से बनाया जाता था और इनको लकड़ी के डिब्बों में रखा जाता था। ध्यान रखा जाता था कि इनमें जंग न लगें। 4. फटी आँतों के लिए एक किस्म के चींटों का उपयोग करते थे उन्हें फटी हुई आँतों के दोनों किनारों को साथ मिलाकर आँतों में ही छोड़ दिया जाता था। वे चींटे अपने दाँतों से उस पर चिपक जाते, जिससे कटी हुई आँत के दो किनारे आपस में सिल-से जाते। अब चींटों का शेष भाग काटकर अलग कर दिया जाता और उदर के बाहरी ऊतकों और त्वचा पर टाँके कस दिये जाते कुछ ही दिनों में आँत का घाव भर जाता था और चींटों का सिर भी ऊतकों में अपने आप घुल-मिल जाता था। 5. सुश्रुत मानव शरीर के अंगों की जानकारी के लिए मृत शरीर को किसी वजनदार वस्तु के साथ बाँधकर किसी छोटी-सी नहर में डाल दिया जाता था और ऊतक फूल जाते, तब झाड़ियों व लताओं से बने ब्रुशों द्वारा उन्हें शरीर से अलग कर दिया जाता था इससे शरीर के आंतरिक अंगों की रचना स्पष्ट हो जाती थी। 6. अपने शिष्यों को शिक्षा देने के लिए सुश्रुत मानव-पुतलों पर दिनों दिन शल्य चिकित्सा का अभ्यास करवाते थे। 7. सुश्रुत से शिक्षा पाकर आत्रेय, जीवक, चरक और वागभट्ट जैसे बहुत से यशस्वी चिकित्सा शास्त्री बने। 8. भारतीय चिकित्सा शास्त्र का स्वर्णिम युग ईसा से 600 वर्ष पूर्व और 1000 ई. तक के समय को कहा जाता है क्योंकि इस युग में ही आत्रेय, चरक, जीवक और वाग्भट्ट जैसे चिकित्साशास्त्रियों ने भारत की पावन भूमि पर जन्म लिया।

(घ) 1. एक हजार 2. शल्य चिकित्सा 3. ग्रीक (यूनान) 4. दिवोदास 5. काशी **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-7 लालच बुरी बला है। (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. इस जन्म में मजे लेकर जीने के लिए धन की इच्छा भगत ने व्यक्त की। 2. विजयदान देथा 3. लालच करने से जो पहले से विद्यमान है वह भी हमसे छिन जाता है अत: लालच बुरी बला है। 5. पारस 6. एक पखवाड़ा **(ग)** 1. भगत एक पखवाड़े तक बुत बन कर खड़ा रहा न कुछ माँगा और न कुछ बोला माँगने का समय आया तो उसने बहुत सारा धन माँगा ना कि स्वर्ग का मोक्ष। 2. संत ने उसे इसलिए समझाया क्योंकि उसकी इस भक्ति से तो वह भगवान को भी वश में कर सकता था। पर उसने एक थोड़े से सोने के कारण भक्ति को व्यर्थ कर दिया। 3. जिन्दगी मजे से जीने के लिए धन माँगा, इससे पता चलता है कि लालची था। 4. इक्कीस गाड़ी लोहे को भगत सोना बनाना चाहता था क्योंकि वह लालच में अँधा हो गया था। 5. भगत अपने लालच के कारण किसी भी वस्तु को सोना के ही पारस संत को लौटाना पड़ा। 6. भगत की माँ ने उससे कहा कि घर का लोहा ही सोना बन जाए बहुत है ज्यादा लालच अच्छा नहीं होता। 7. भगत की पत्नि ने उसे तवे को सोना बनाने के लिए कहा क्योंकि वह उससे चन्द्रहार बनवाना चाहती थी। 8. एक पखवाड़ा बीत जाने पर भी भगत पारस का उपयोग नहीं कर सका क्योंकि उसकी लालसा व लालच बढ़ता ही जा रहा था और अन्तिम क्षण भी ऐसे ही निकल गया। इससे पता चलता है कि भगत अत्यन्त लालची व असंतोषी व्यक्ति था। **(घ)** 1. पन्द्रह दिन को 2. लालच 3. पारस पत्थर 4. अंटी में 5. समय का भाषा-ज्ञान **(क)** 1. दर्शन 2. गृहस्थी 3. भक्ति 4. स्पर्श **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–8 सौर-मंडल का दूसरा बड़ा ग्रह (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. छठा 2. धीमी गति से चलने वाला 3. सूर्य का 4. तेल के देवता 5. गैलीलियों ने **(ग)** 1. करीब तीस वर्षों में शनि सूर्य का एक चक्कर लगाता है। 2. दूरबीन से देखने पर शनि के चारों ओर वलय या कंकण दिखाई देते हैं। ऐसा लगता है जैसे प्रकृति ने इसके गले में हार डाल दिया हो। 3. ज्योतिषियों के अनुसार शनि ग्रह को अशुभ माना गया है क्योंकि ये जिस शिया में निवास कर लेता है तो आगे व पीछे की राशियों को भी प्रभावित करता है और यदि ग्रह किसी की राशि में पहुँच जाये तो उसकी सात साल तक खैर नहीं। 4. अभी तक 2,271 उपग्रह पाये गये है। ग्रहों के चक्कर लगाने वाली स्वर्गीय को को उपग्रह (सेटेलाइट) कहते हैं। 5. शनि एक अत्यन्त ठंडा ग्रह है। इसका वायुमंडल भी हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा अनोनिया गैसों से बहा है। ये गैसें बहुत ही हल्की होने के कारण यह ग्रह समुद्र में डुबोने पर भी नहीं डूबेगा। 6. भैंसा शनि का वाहन है। यूनानी आख्यानों के अनुसार शनि जूपीटर के पिता है, रोमन लोग शनि को कृषि का देवता मानते हैं, भारत देश में शनि तेल के देवता हैं। 7. टाइटन की सबसे अद्‌भुत चीज है इस पर मौजूद धन वायुमंडल यह नाइट्रोजन से भी घना और भारी है। जैविक तत्वों के विकास के अध्ययन की दृष्टि से भी टाइटन का बड़ा महत्त्व है। टाइटन की सतह पर अंतरिक्ष यान को उतारा जा सकता है। **(घ)** 1. 750 2. 143 करोड़ किलोमीटर 3. धीमीगति से चलना 4. जूपीटर 5. मंथिन **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. धरा, वसुधा 2. सूरज, भास्कर 3. आसमान, नभ 4. चाँद, चन्दा **(ख)** 1. देव 2. घोड़ा 3. पुत्र 4. चाचा 5. मामा **(ग)** 1. प्राचीन 2. शुभ 3. मंद 4. ठण्डा **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–9 मजबूरी की सजा (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. डेनमार्क 2. दियासलाई की डिब्बियाँ 3. घुड़सवारों को देखकर भागते-भागते उसके जूते कहीं छूट गए थे। 4. क्रिसमस व नये साल की 5. अंत में छोटी गरीब लड़की सारी रात ठंड के मारे मर गई थी। **(ग)** 1. जो लड़की दियासलाई बेचने जाती है वह पैरो में जूते न होने के कारण अत्यधिक ठंड के होते हुए आगे घूम-घूम कर अपनी दियासलाई नहीं बेच सकी। 2. लड़की के फटे जूते पहले उसकी माँ पहना करती थी और उस दिन दो घुड़सवारों के डर से भागते हुए उसके जूते वहीं रास्ते में छूट गए थे। 3. उसके बाल सुनहरे रंग के और बहुत ही सुन्दर थे। भूख और ठंड के मारे वह धीरे-धीरे चल रही थी। 4. इस कहानी के आधार पर लोग क्रिसमस की तैयारी कर रहे थे। क्रिममस ट्री के चारों ओर लोगों ने पकवान सजाये हुए थे। बहुत-सारी मोमबत्तियाँ जल रही थी। बहुत सारे खिलौने वहाँ रखे थे। 5. उसने घर के पीछे बैठकर दियासलाइयों को जलाकर ठंड से बचने का प्रयास किया। 6. लड़की ने सपने में अपनी नानी को देखा और क्रिसमस की दावत में उसके पास बहुत से खिलौने व स्वादिष्ट भुना हुआ हंस आता देखा। 7. सपने में नानी को देखकर उसने कहा कि तुम भी भुने हुए हंस व क्रिसमस ट्री की तरह गायब हो जाओगी। 8. दूसरे दिन सवेरे लोगों ने लड़की को मरे हुए देखा और वहाँ पर जली हुई दियासलाइयाँ पड़ी हुई देखीं। **(घ)** 1. डेनमार्क 2. लाल-नीले 3. व्यंजनों की 4. दियासलाई 5. घर के पीछे **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. लड़ाई 2. बोली 3. पढ़ाई 4. मूल **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. अंत का 2. कीमती 3. सुगंध 4. खुशियाँ **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–10 पहली बूँद (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. धरती पर चारों और हरियाली छाने लगती हैं और मानों धरती की प्यास बुझ गई हो। इन पहली पानी की बूँदों से धरती को नया जीवन मिलता है। 2. बादल बिजली रूपी पंख लगाकर नगाड़े जैसी गर्जना करके डराते हैं। 3. वर्षा की बूँद धरती के सूखे होठों पर अमृत के जैसी गिरती है। 4. नीले नयन आसमान को कहा गया है। 5. बूढ़ी धरती फिर से हरी-भरी होने के लिए लालायित है। **(ग)** 1. धरती पर चारों और हरियाली छाने लगती हैं और मानों धरती की प्यास बुझ गई हो। इन

पहली पानी की बूँदों से धरती को नया जीवन मिलता है। 2. घास को दूब कहते हैं यह धरती के रोम रूपी वर्षा की पहली बूँद पाकर लहलहा गई। 3. वर्षा की पहली बूँद धरती के सूखे अधर अर्थात् धूप से सूखी हुई धरती पर अमृत की तरह गिरी जिससे रोम रूपी घास थोड़ी-सी हरी भरी हो गई और लहलहा ने लगी जैसे कि मुस्कुराकर खुश हो रही हो। 4. पावस ऋतु में बादल मानों अश्रुरूपी बारिश करके बहुत समय से प्यासी धरती की प्यास बुझा रहे हैं और बिजली सुनहरी होकर नगाड़े के जैसी आवाज से लोगों को और पशु-पक्षियों को डराती है। 5. पावस ऋतु में बारिश की बूँदों ने धरती की प्यास बुझाई। 6. तेज धूप व पानी की कमी से सूख चुके पेड़-पौधों व घास वाली धरती को बूढ़ी धरती कहा गया है। वह भी बारिश की बूँदों से दुबारा हरी-भरी होने के लिए लालायित है। **(घ)** 1. वर्षा 2. धरती के सूखे अधरों पर 3. बादल 4. बादलों 5. बूढ़ी धरती **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. दिन 2. होंठ 3. सुनहरा 4. आकाश **(ख)** 1. भूमि, धरती 2. वर्षा, बारिश 3. अंबर, आकाश 4. जलधर, पयोधर **(ग)** संज्ञा शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। जैसे :– सुन्दर लड़की, काले बादल सुन्दर व काले शब्द क्रमशः लड़की व बादल की विशेषता बतला रहे हैं, अतः ये शब्द विशेषण कहलाते हैं। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-11 पिता का पत्र (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. अपनी बेटी इंदिरा को 2. मिस्त्र में 3. औरत के सिर वाली शेर की मूर्ति को 4. फिरऊन 5. केंडिया या क्रीट **(ग)** 1. पुराने जमाने के शहरों एवं गाँवों में किस तरह के लोग रहते थे इसकी जानकारी बड़े-बड़े मकानों और इमारतों, पत्थर की तख्तियों की लिखावट से व बहुत पुरानी किताबों से भी मिल जाती है। 2. मिस्त्र में बड़ी-बड़ी मीनारें वहाँ के लोगों, भव्य मंदिरों के बारे में बताती हैं और स्फिंक्स एक औरत के सिरवाली शेर की मूर्ति है इसके चेहरे पर अजीब सी मुस्कुराहट है। 3. लंदन के अज़ायबघर में उन्होंने अपनी बेटी को जो दिखाया उसे 'ममी' कहते हैं उससे हमें उसके अन्दर रखे जाने वाले व्यक्ति या बादशाह के बारे में पूर्ण जानकारी मिल जाती है। 4. प्राचीनकाल में मिस्त्रवासियों ने झीलें और नहरें बनवाई। इससे सिद्ध होता है कि प्राचीन काल में मिस्त्रवासी बहुत ही होशियार थे और उन्होंने बहुत तरक्की भी की। 5. मिस्त्र के लोग राजा की मृत्यु के बाद उसकी मम्मी के पास सोने-चाँदी के गहने, सजावट की चीजें और खाने की वस्तुएँ भी रखते थे। उनका विचार था कि शायद मरने के बाद भी उन्हें खाने की आवश्यकता रहेगी। 6. 'किंग मिदास' की कहानी लालच व असंतोष की परिचायक है। **(घ)** 1. पुरानी पुस्तकों को पढ़कर 2. टूटे-फूटे घर 3. आदमी का मृत शरीर 4. सेना 5. मृत शरीर को सुरक्षित रखने के लिए। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. रानी 2. माता 3. आदमी 4. बुढ़िया **(ख)** 1. साप्ताहिक 2. हलवाई 3. जिज्ञासु 4. आस्तिक **(ग)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–12 राखी का मूल्य (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. शेरशाह के आतंक से बचने के लिए 2. हुमायूँ को राखी भेज कर सहायता माँगने का 3. दूत के हाथों रानी कर्मावती ने हुमायूँ को राखी भेजी। 4. जवाहर बाई के अनुसार हुमायूँ मुसलमान था तो हिन्दू द्वारा मुसलमान भाई को राखी भेजना उसके हिसाब से उचित नहीं था। 5. हुमायूँ एक मुगल शासक था। राखी पाकर वह पहले के अपने सारे गिले-शिकवे भूलकर राखी का फर्ज अदा करने के लिए तैयार हो गया। **(ग)** 1. बाघसिंह जी के अनुसार सैनिकों की संख्या कम, शास्त्रों की कमी को हार का कारण बता रहे हैं। 2. रानी कर्मवती को अपने पति महाराणा संग्राम सिंह की मृत्यु हो जाने और संकट की इस घड़ी में साथ न होने का दुःख हो रहा था क्योंकि उनके रहते किसी की हिम्मत नहीं थी कि चित्तौड़ पर आक्रमण की सोचे। उन्हें आपसी शत्रुता करने का बड़ा ही पछतावा हो रहा है। 3. रानी कर्मवती कहती है कि मुसलमान भी इन्सान है। अब उनकी भी जन्मभूमि भारत हो चुकी है। अब वे काफिलों में लदकर अबर नहीं भेजे जा सकते अतः उन्हें यहीं रहना पड़ेगा और मेवाड़ की रक्षा करनी ही पड़ेगी इसके अलावा कोई उपाय हमारे पास नहीं हैं। 4. राखी पाकर हुमायूँ ने पुराने शिकवों को भुलाकर राखी का ही फर्ज अदा करने का निश्चय किया। उसके अनुसार बहन का रिश्ता दुनिया के सारे सुखों, दौलतों और ताकतों से बढ़कर है। 5. तातार खाँ ने हुमायूँ को अपने अब्बाजान के जानी दुश्मन महाराणा संग्रामसिंह की पत्नी होने की याद दिलाई। इस बात पर हुमायूँ ने उन्हें राखी की कीमत समझाते हुए कहा कि यह मेरी खुशकिस्मती है कि मेवाड़ की बहादुर रानी ने मुझे अपना भाई बनाया है हिन्दुस्तान का इतिहास गवाह है कि राखी के धागों ने हजारों कुरबानियाँ कराई हैं। **(घ)** 1. कर्मवती 2. हुमायूँ को राखी भेजकर 3. बाघसिंह ने 4. बिहार में गंगा-तट पर **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. घृत 2. गौ 3. माँ 4. भ्राता 5. पुस्तक **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. भाई 2. दक्षिण या प्रश्न 3. गोण 4. बेटा 5. डर **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–13 जैसे को तैसा (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. बगीचे तक पहुँचते-पहुँचते लेखक बहुत बुरी तरह थक चुका था। 2. लेखक ने बाग के माली से अपने मित्रों की उपस्थिति के लिए पूछा लेकिन माली ने कहा कि वहाँ उसके कोई मित्र नहीं पहुँचे। 3. लेखक बगीचे में अपने मित्रों को पाकर समझ गए कि आज फिर उसे बेवकूफ बनाया गया है। 4. लेखक पत्नी उसके मित्रों को समाज की तलछट समझती थी इस कारण से अपने घर पर दावत नहीं दे पा रहा था। 5. बगीचे में लेखक की मित्र मंडली जान बूझकर नहीं पहुँची क्योंकि वे लेखक को बेवकूफ बनाना चाहते थे। **(ग)** 1. लेखक का धूल की परत वाली पक्की सड़क पर चलते-चलते बहुत बुरा हाल हो गया था। धूल-मिट्टी उसके शरीर को अपना घर समझकर उससे चिपके जा रही थीं उसने सोचा था पक्की सड़क पर साइकिल चलाने में कोई परेशानी भी नहीं आएगी और वह तुरन्त बगीचें में पहुँच जायेगा। 2. बगीचे में पहुँचकर उन्हें स्वर्ग-सा प्रतीत हो रहा था क्योंकि वो धूल भरी वैतरिणी पार करके आया था। उसको देखकर ऐसा लगने लगा था कि धूल में लोट कर आया हो। 3. लेखक के मित्रों ने पहली बार गंगा में नाव पर दावत के लिए बुलाया और भाँग पिलाकर सोता हुआ छोड़कर भाग गए। 4. भूख, प्यास और थकान और गुस्से से लेखक बुरी तरह पस्त

होता गिरता-पड़ता घर पहुँचा और इस समय वह मुरली को बुरी तरह पीटने के बारे में सोच रहा था। 5. चौथे दिन जब सारे मित्र लेखक के घर पहुँचे तो लेखक से दावत नहीं देने तक ऐसे ही बेवकूफ बनाते रहने के लिए कहा। 6. लेखक ने अपने मित्रों से बदला देने के लिए दावत देने के लिए सुमेरपुर चलने के लिए कहा और सुमेरपुर पहुँचकर लेखक ने उन्हें पानी की टंकी पर बिठाकर सीढ़ियाँ हटवाकर दावत के नाम पर बेवकूफ बनाया और अपना बदला लिया। **(घ)** 1. बाग में 2. मित्रों के लिए 3. तीन बार 4. दावत देने की 5. पानी की टंकी ऊपर **भाषा-ज्ञान – (क)** व **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–14 जयगान (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. भारत देश का 2. पश्चिमी सागर 3. विद्या अर्जित करके 4. दुखों को, अज्ञान को द्वंद को दूर करने की बात कही है। 5. तिरंगे झण्डे को **(ग)** 1. स्वतंत्र व खुशहाल देश का सपना देखते हुए जयगान कर रहे हैं। 2. हिमालय पर्वत के लिए 'रजत श्रृंग तुषारशेखर' आदि शब्दों से विशेषता बताई गई है हम बिना विरोध के (गति) उन्नति कर सकते हैं। 3. लोगों द्वारा ज्ञानार्जन करने के बाद देश का गौरव बढ़ेगा यही कवि देखना चाह रहा है। 4. ज्ञान की वृद्धि के लिए शोभनीय व पवित्र विद्यालयों की कामना की है। 5. प्रस्तुत कविता में देश की उन्नति, समृद्धि तथा शिक्षा से परिपूर्णता की बात के बारे में कहा गया है। 6. भारतवासी गरजकर संसार को देश का गौरव गान सुनाएंगें। **(घ)** 1. अपने देश की 2. निर्द्वन्द होकर 3. पोत-दल से 4. विद्यालय 5. पीड़ा का दुःख **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. सुशिक्षित 2. सुशील 3. सुबोध 4. सुपुत्र 5. सुगंध। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–15 रक्षा में हत्या (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. चिड़िया के अंडे 2. ग्रीष्म ऋतु 3. दिवाकर और दिव्या 4. चिड़िया ने तीन अंडे दिवाकर व दिव्या के घर के छज्जे के ऊपर बने घोंसले में दिए थे। 5. दोनों बच्चे चिड़िया के बच्चों के बारे में पूर्ण रूप से जानने के लालायति थे कि वे कैसे होंगे, क्या खाते होंगे, कैसे बाहर निकलेंगे आदि। **(ग)** 1. घोंसले को देखने के लिए दिवाकर और दिव्या ने कूड़ा फेंकने वाली टोकरी लेकर व स्टूल व चौकी पर चढ़कर छज्जे पर घोंसले की जगह रख दी। 2. घोंसला देखने के बाद पुरानी धोती का कपड़ा टोकरी में बिछाकर उसके ऊपर छाया करके अंडे उसमें रख दिए और एक दाना-पानी की प्याली वहाँ रख दी। 3. चिड़िया के अंडों के लिए पानी, धूप, दाना की व्यवस्था के लिए चिंतित थे। 4. जब दिवाकर ने देखा कि तीनों अंडे फूटे पड़े हैं एवं पानी की प्याली भी टूट गई हैं तो उसके चेहरे का रंग उड़ गया। 5. दिवाकर व दिव्या की माँ ने उन्हें समझाया कि छूने से चिड़िया के अंडे गंदे हो जाते हैं और चिड़िया उन्हें नहीं सेती। 6. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि जिस कार्य की हमें जानकारी न हो उसके बारे में बड़ों से पूछना और उसके बारे में समझ लेना चाहिए। **(घ)** 1. पक्षियों का घोंसला 2. दूध जलेबी खाना 3. चिड़िया बच्चों को क्या खिलाएगी। 4. अंडों को उसमें रखा गया। 5. केवल कुछ तिनकों पर अंडे रख लें। **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. चिड़िया 2. घोंसले 3. बच्चे 4. खिड़कियाँ 5. लड़कियाँ 6. छात्रों **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–16 स्वतंत्रता सेनानी – आज़ाद (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. चन्द्रशेखर आज़ाद ने स्वतंत्रता के लिए आहुति दी इसलिए वे प्रसिद्ध हैं। 2. काशी 3. माता का नाम श्रीमती जगरानी देवी एवं पिता का नाम पंडित सीताराम था। 4. चन्द्रशेखर ने अपने बाबा के यहाँ अलीपुर में भीलों से धनुष-बाण चलाना सीखा। 5. काशी में रहकर वे संस्कृत व्याकरण पढ़ने में नहीं लगने पर गंगा नदी में घंटों तैरा करते और कभी कथा बाँचने वालों के पास बैठकर रामायण, महाभारत और भागवत कथा सुनते उन्हें वीरों की गाथाऐं बहुत पसंद आती थी। **(ग)** 1. बचपन में चन्द्रशेखर ने सारी दिया सलाइयों को एक साथ जलाकर दिखाया जिसका साहस कोई न कर सका। इस घटना से यह पता चलता है कि आज़ाद बहुत साहसी थे। 2. जलियांवाला बाग हत्याकांड में ब्रिटिश सेना की एक टुकड़ी के साथ अंग्रेजी जनरल डायर ने बिना कुछ कहे निहत्थों पर गोलियाँ बरसाना शुरु कर दिया। इस बात से चन्द्रशेखर के जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा तब उन्होंने प्रण लिया कि अंग्रेजों के विरुद्ध कुछ न कुछ करना पड़ेगा। 3. आंदोलन करने पर पकड़े जाने पर जज के सामने उन्होंने अकड़कर अपना नाम आज़ाद बताते हुए, पिता का नाम स्वतंत्रता, घर का पता जेलखाना बताया और हर बेंत पर महात्मा गाँधी व भारत माता की जय के नारे लगाये। 4. चन्द्रशेखर आज़ाद ने प्रतिज्ञा ली कि उन्हें कोई भी जिंदा नहीं पकड़ पाएगा और अन्त तक जब आजाद के पास गोलियाँ खत्म हो रही थी तो अंतिम गोली अपनी कनपटी पर मार ली और निश्चेत हो गए, इस प्रकार उन्होंने अपनी प्रतिज्ञा निभाई। 5. सन् 1925 में उत्तर प्रदेश में काकोरी स्टेशन के पास चलती गाड़ी को रोककर सरकारी खजाना लूट लिया गया। इस घटना का नाम 'काकोरी कांड' पड़ा यह सब संगठन के लिए धन की व्यवस्था करने के लिए किया गया। इस कांड में बिस्मिल, रोशन सिंह, अशफाक उल्ला और राजेन्द्र लाहिडी पकड़े गए और उन्हें फाँसी की सजा सुनाई गई। 6. महात्मा गाँधी द्वारा चलाये जाने वाले आंदोलन 'अंग्रेजों का बहिष्कार' में आज़ाद ने भी उनका खूब साथ दिया तभी वह पुलिसद्वारा पहली बार पकड़े गए। **(घ)** 1. अपने देश की आजादी के लिए लड़ाई। 2. 1857 में 3. हत्याकांड 4. अलफ्रेड़ पार्क में 5. 1947 **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. सामूहिक 2. आजादी 3. भारतीय 4. रोशनी 5. विदाई 6. भलाई **(ख)** 1. हस्त 2. गृह 3. कार्य 4. वृक्ष 5. दुग्ध 6. अग्नि **(ग)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–17 गिल्लू (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. श्रीमती महादेवी वर्मा ने 2. लेखिका स्वयं 3. फूलदान के फूलों में, परदों की चुन्नटों में अथवा सोनपुरी की पत्तियों में 4. रुई की पतली बत्ती दूध में भिगोकर गिल्लू को दूध पिलाया जाता था। 5. गिलहरी का छोटा बच्चा जो घोंसले से संभवतः गिर गया था। **(ग)** 1. लेखिका को गिल्लू घायलावस्था में मिला जो कि संभवतः अपने घोंसले में से गिर गया

था और दो कौए उसे अपना शिकार बनाना चाहते थे। 2. लेखिका ने फूल रखने की एक डलिया में रुई बिछाकर उसे तार से खिड़की पर लटकाकर गिल्लू का घर बना दिया। 3. लेखिका के लिखने के समय गिल्लू पैर पर आकर पग्दे पर उतरता व चढ़ता और तब तक ये सब करता जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए उठती नही थी। तब वे उसे एक लंबे लिफाफे में दोनों पंजे व सिर को बाहर निकालते हुए रख देती थी। 4. गिल्लू का प्रिय खादय काजू था। काजू न मिलने पर वह अन्य खाने की चीजें या तो लेना बंद कर देता या फिर झूले से नीचे फेंक देता था। 5. लेखिका के बीमार होने पर गिल्लू अपना प्रिय खादय काजू भी नहीं खाता था और अस्पताल से आने के बाद व अपने नन्हें पंजों से लेखिका के सिर और बालों को धीरे-धीरे सहलाता था। 6. लेखिका ने गिल्लू को बचाने के लिए हीटर जलाया और उसे गरमाहट देने का प्रयास किया लेकिन वह सफल न हो सकी क्योंकि गिलहरी का जीवन काल ही दो वर्ष का होता है। **(घ)** 1. गमले में 2. मरहम 3. गिल्लू 4. काजू 5. दो साल **भाषा-ज्ञान – (क)** व **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. दु: + घटना 2. नि: + जीव 3. अन + आवश्यक 4. अ + प्रिय 5. वि: + मित 6. अप + वाद 7. ला + इलाज 8. सु + लभ **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–18 रहीम के दोहे (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. भृगु के उदाहरण से हमें पता चलता है कि भृगु के द्वारा क्षमा न माँगने पर भी भगवान विष्णु का कुछ नहीं घटा अर्थात् क्षमा माँगने से कोई छोटा नहीं होता। 2. माँगने वाले से अधिक वे लोग बुरे होते हैं जो तुरन्त इंकार कर देते हैं। 3. कड़वे वचन बोलने वाले के साथ हमेशा बुरा व्यवहार ही होना चाहिए जैसे कि खीरा, जिसके ऊपर नमक मलकर कड़वापन दूर किया जाता है। 4. विपत्ति के समय अपने पराए की पहचान होती है। 5. संगत का असर उत्तम प्रकृति के लोगों पर कभी नहीं होता है जैसे चन्दन के ऊपर विष धारी साँप के लिपटे होने पर भी चंदन के अन्दर विष नहीं समाता। **(ग)** 1. थोड़े ही दिनों की विपत्ति को रहीम ने अच्छा बताया है क्योंकि इस समय अपने व पराए की पहचान हो जाती है। 2. खीरे के मुँह को काट कर नमक लगाने से उसका कड़वा पन दूर हो जाता है। 3. सुदामा और कृष्ण की मित्रता के विषय में रहीम जी कहते हैं कि जो अपने गरीब मित्र की सहायता करते हैं वे बड़े लोग होते हैं। 4. अमरबेल किसी भी पौधे या चीजों को अपना सहारा बनाकर चढ़ जाती है। 5. जो किसी याचक को इंकार कर देते हैं रहीमजी उन्हें मरा हुआ समझते हैं। **(घ)** 1. भगवान विष्णु को 2. मरे हुए के समान 3. दुष्ट लोग 4. खीरे की 5. अपनों की **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. अहित 2. पराया 3. अमीर 4. दुख 5. बुरा **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ–19 बच्चे प्यारे-प्यारे (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. पुण्यात्मा में 2. आपस में खुशियाँ 3. भारत माता की बिगड़ी तस्वीर को सुधारने का काम 4. मिल-बाँट कर खाने की **(ग)** 1. बच्चों को देश का भविष्य इसलिए कहा गया है क्यों कि ये ही बड़े होकर देश के कर्णधार बनेंगें और भारत देश का भविष्य बदलेंगे। 2. बच्चे जाँत-पाँत से परे रहकर सोचते हैं। 3. बच्चे अपने प्रेम से पापी को भी पुण्यात्मा बना देते हैं। 4. बच्चे अपने अच्छे गुणों-प्रेम, अद्वेष, मिल-बाँट कर खाने एवं बिना किसी दुर्भावना आदि के कारण सबकी आँखों के तारे कहलाते हैं। 5. बच्चों में बहुत से अच्छे गुण होते हैं, जैसे– बच्चे प्रेम की भाषा बोलते हैं, बैर-भाव को नहीं जानते हैं, जाँत-पाँत से परे होते हैं, मिल-बाँटकर खाते हैं, बच्चे बहुत ही वीर व ईर्ष्या से भी परे होते हैं। **(घ)** 1. स्वर्ग 2. मिलजुल कर रहने की 3. प्रेम की 4. ईश्वर का **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. नफरत 2. आसमान 3. नरक 4. पुण्यात्मा 5. अविश्वास 6. जितना 7. दुर्गुण **(ख)** 1. प्रति + दिन 2. प्रति + एक 3. प्रति + क्षण 4. यथा + क्रम 5. आ + जीवन 6. आ + कंठ 7. आ + मरण **(ग)** 1. व्यक्तियों 2. बच्चे 3. आँखें 4. बड़े 5. भाइयों **(घ)** 1. आसमान 2. ईश्वर 3. दुर्भावना 4. द्वेष 5. दर्शनीय 6. कवियत्री 7. बर्फीली **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 20 भारतीय तिथि पत्र (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. बारह महीने 2. कैलेंडर 3. 365 दिन 4. छह 5. चार युगों में 6. रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार **(ग)** 1. सूर्य और चन्द्रमा के परिभ्रमण से उत्पन्न अन्तर को दूर करने के लिए प्रत्येक तीन वर्ष के बाद चौथे वर्ष में एक मास अधिक माना जाता है। 2. विक्रम संवत् के लिए माना जाता है कि वाराहमिहिर ने उज्जैन को शकों से मुक्त कराने के उपलक्ष्य में विक्रमादित्य के राज्याभिषेक के दिन से विक्रम संवत् आरंभ किया। यह प्रतिवर्ष चैत्रमास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से प्रारंभ होता है। 3. सन् 1957 में प्रचलित शासकीय संशोधित पंचाग की गणना शक संवत् के अनुसार ही है। 4. हिंदू महीनों के नाम नक्षत्रों पर ही आधारित हैं– 1. चैत्र 2. वैशाख 3. ज्येष्ठ 4. आषाढ़ 5. श्रावण 6. भाद्रपद 7. आश्विन 8. कार्तिक 9. मार्गशीर्ष 10. पौष 11. माघ 12. फाल्गुन 5. चैत्र-वैशाख = ग्रीष्म ऋतु, ज्येष्ठ-भाद्रपद = वर्षा ऋतु, श्रवण-कार्तिक = शरद, मार्गशीर्ष-पौष = हेमंत, माघ-फाल्गुन = शिशिर 6. भारत एक कृषि प्रधान देश हैं। यहाँ किसान अच्छी फसल उगाने के लिए ऋतुओं पर निर्भर है क्योंकि फसलों को पर्याप्त धूप, वर्षा और नमी की जरूरत होती हैं। यहाँ पर सभी तरह की दालें, मसालें, अनाज फल-सब्जियाँ उगाई जाती हैं और विदेशों में भी निर्यात किया जाता है। 7. ऋतुओं का मनुष्यों के जीवन में अत्यधिक महत्त्व हैं क्योंकि ऋतुओं के अनुसार ही किसान फसले उगाता है और ऋतुओं के अनुसार लोगों द्वारा अलग-अलग अनाज, फल-सब्जियाँ, दालें, मसालें प्रयोग किए जाते हैं। भारतीय किसान पूर्ण रूप से ऋतुओं पर निर्भर है। **(घ)** 1. तिथि पत्र 2. छांदोम्य उपनिषद् 3. जुलाई-अगस्त 4. 15 दिन 5. मार्च-मई **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. ऋतु 2. यज्ञ 3. नक्षत्र 4. देश 5. अभिलेख 6. मौसम 7. फसलें 8. तिथियाँ 9. महापुरुषों 10. धर्मों **(ख)** 1. नि: + धारण + इत 2. परि + भ्रमण 3. इतिहास + इक 4. प्र + चल + इत 5. सम् + शोधन + इत 6. वैद + इक 7. अति + आवश्यक **(ग)** 1. निर्धारित 2. ऋषियों 3. कार्तिक 4. अंतिम 5. अमावस्या 6. धार्मिक 7. संस्कृति 8. ऋतुऐं **(घ)** छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधियाँ – छात्र स्वयं करें।

पाठ-21 चश्मदीद गवाह (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. मुंशी जी को किसी घटना का पता न चलने पर उन्हें ईमानदारी से पछतावा होता था एवं वह अपने स्तर पर उस घटना का पता करने में जुट जाते। 2. किसी भी घटना का चश्मदीद गवाह बनना उन्हें अच्छा लगता था। 3. मुंशी थानेदार के पूछने पर भी कुछ नहीं बता पाए इसलिए उनके चेहरे पर शिकस्त की परछाई थी। **(ग)** 1. मुंशी जी दो घटनाओं को जोड़-जाड़कर वे तुक बैठाने की कोशिश करते और इधर-उधर घूमकर बहसियों की तरह जो बात पता चलती उसे मालूम करके संतोष करते। 2. मुंशी जी ने कहा कि गाय को रात दो बजे करीब खोला गया और मैं बहुत चौकन्ना सोता हूँ मुझे लगा कि हवा चल रही होगी या मच्छर परेशान करते होंगे गाय को, मुझे थोड़ी-ही पता था कोई गाय को खोलकर ले जा रहा है। 3. मुंशी जी पुलिस के आने से पहले तक तो बहुत बाते बना रहे थे लेकिन बाद में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैंने कुछ नहीं देखा। 4. मुंशी जी के लिए गाय को खोजना जरूरी हो गया था क्योंकि हर कोई उनसे यही सवाल कर रहा था कि आपको तो कम-से-कम ऐसे नहीं करना चाहिए था। 5. मुंशी प्यारेलाल को अपने आस-पास होने वाली प्रत्येक घटना का पता करना बहुत अच्छा लगता था और उनका चश्मदीद गवाह बनना भी। लेकिन कभी कोई बात के बारे में उन्हें पता नहीं चलता था तो वे बहुत पछताते थे और अपन स्तर पर घूम-घूम कर उस बात का पता करने की कोशिश करते रहते थे। **(घ)** 1. गप्पी 2. गवाह बनने का 3. छप्पर वाली बुढ़िया की **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. किस्सा 2. हार 3. संभवत: 4. समाचार 5. बेकार 6. विनाश 7. विचार 8. गुस्सा 9. अनुपस्थित 10. धरती 11. अवश्य 12. विश्वास **(ख)** 1. अच्छा 2. सही 3. गरम 4. अस्वस्थ 5. अयोग्य 6. आगे **(ग)** 1. मुंशी प्यारेलाल को क्या हुआ? 2. अगली सुबह मुंशी प्यारेलाल के साथ कौन चले आ रहे थे? 3. किसकी गाय चोरी हो गई? 4. किसका नाम सुनकर मुंशी जी के आँखे मिचकिचाईं। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

पाठ-22 निष्ठा व इच्छा शक्ति (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. सावित्री 2. लकड़ियाँ 3. अश्वपति 4. वे प्रजा-वत्सल और न्यायप्रिय थे। 5. सावित्री को पुत्रवधू के रूप में स्वीकार ने की **(ग)** 1. सावित्री वर की तलाश में अपनी सखियों के साथ रथ पर सवार होकर देशाटन के लिए गई। 2. सत्यवान के प्राण वापस लौटाने के लिए सावित्री यमराज के पीछे-पीछे चल दी और बड़ी ही चतुगई से यमराज से वर माँगा कि मेरे नेत्रहीन सास-ससुर सोने के कटोरे में अपने पोते को दूध पीते हुए देखें। 3. सावित्री भारतीय नारी के आदर्शों पर खरी उतरी जैसे कि वह पवित्रता एवं सास-सुसार की सेवा करने वाली स्त्री थी। अपने पति की लंबी आयु के लिए खूब व्रत-उपवास करती थी। 4. सावित्री को अपना वर चुनने की स्वतंत्रता के विषय पर राजा ने प्रधानमंत्री से सलाह ली। 5. नारद जी ने राजा को सत्यवान की आयु में केवल एक वर्ष शेष होने की बात कही। **(घ)** 1. भद्र प्रदेश 2. सोने के 3. सत्यवाद **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. अल्पायु 2. मन्तव्य 3. आश्रय 4. तपस्विनी 5. प्रकृति 6. वात्सल्य 7. स्तब्ध 8. उल्लंघन 9. दीर्घायु **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. सुन्दर आश्रम को देखकर सावित्री बहुत प्रसन्न हुई थी। 2. सावित्री ने निकट जाकर उसका परिचय पूछा था। 3. सत्यवान जैसा युवक पाकर मंत्री और सावित्री की सवियों की खुशी की सीमा नहीं रही थी। 4. सावित्री के लिए योग्य वर मिलने की खबर पूरे राज्य में दावानल की भाँति फैल गई थी। **रचनात्मक गतिविधियाँ –** छात्र स्वयं करें।

मॉडल टैस्ट पेपर – 1 – छात्र स्वयं करें।

मॉडल टैस्ट पेपर – 2 – छात्र स्वयं करें।

मॉडल टैस्ट पेपर – 3 – छात्र स्वयं करें।

पाठ – 1 इतने ऊँचे उठो – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. परिवर्तन के जितना 2. सृजन के जितना 3. मृत्यु का 4. मलय पवन के जितना **(ग)** 1. बरसात समान भाव से पूरी धरा को एक समझकर सींचती है। 2. मलय पवन जाति-पाँत व काले-गोरे के रंग द्वेष को दूर करती हुई बहती है। अतः यह हमारे मनों को शीतल कर देती है। 3. जितना पोषक हो उतना अतीत से लेने की लेखक कह रहा है, क्योंकि जीर्ण-शीर्ण को लेने पर तो यह मृत्यु का ही घोतक है। 4. नये हाथों से नये रंगों, नये चित्रों, नये राग और स्वर एवं नई भाषा के द्वारा संसार को नया रूप मिलेगा। 5. सूरज, चाँद, चाँदनी, तारे प्रतिपल हमारे साथ रहते हैं। ये किसी भी तरह का भेद-भाव नहीं करते है। **(घ)** 1. भाषा को 2. तूलिका से 3. स्वर्ग 4. गगन जितना 5. तीनों **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. बुराई 2. कठोरता 3. निकटता 4. चिल्लाहट 5. उड़ान 6. पीछा 7. सफेदी 8. निजता 9. हिंदुत्व 10. बुढ़ापा। **(ख)** 1. आकाश 2. भूत 3. विकास 4. आशीर्वाद 5. जन्म 6. सजीव 7. पूर्ण 8. थल 9. विपन्न 10. नवीन **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 2 लकड़हारा व परी – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. लकड़ियाँ काटने का काम 2. लकड़हारा पेड़ के पास जाकर उस पेड़ को काटने के बारे में सोच रहा था। 3. पेड़ के तने में 4. हलवा 5. लकड़हारे की पत्नी ने **(ग)** 1. परी ने पेड़ को काटने के लिए लकड़हारे से मना कर दिया क्योंकि वह पेड़ उसका आश्रय (घर) था और उसके काटने के बाद वह बेघर हो जायेगी। 2. परी ने कहा कहा कि यदि पेड़ काट दिया तो वह सर्दियों में ठंड से कैसे अपना बचाव करेगी। इस पेड़ को मत काटो, बदले में मैं तुम्हें और तुम्हारी पत्नी को तीन वरदान दूँगी। 3. पहले वरदान से लकड़हारे के सामने हलवा आ गया। वह चाहे जितना हलवा खाता कटोरा वापस पूरा भर जाता। 4. तीसरे वरदान में लकड़हारे ने कहा कि नाक से गरम हलवा तुरन्त छूट जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। **(घ)** 1. पेड़ से 2. तीन 3. हलवा 4. परी **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. आज्ञा के अनुसार 2. कुल में श्रेष्ठ 3. गृह में प्रवेश 4. खुशी की खबर 5. विजय की पताका 6. गुरु के लिए दक्षिणा 7. ईश्वर का भक्त 8. सेना का नायक 9. लोगों की सभा 10. वज्र के जैसा **(ख)** 2. आदमी 3. मरण 4. अच्छा 5. बुद्धिमान 6. दुख 7. विष 8. कठिन 9. व्याकुलता 10. असफल **(ग)** 1. लालिमा 2. कठोरता 3. लंबाई 4. चौड़ाई 5. अच्छाई 6. ठण्डाई। **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 3 विद्युत का आविष्कार – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. बेंजामिन ने एक खास डोरी वाली पतंग बनाई जिसमें बिजली का झटका महसूस किया गया। 2. थॉमस एड़ीसन ने 3. बेतार के तार का 4. आंतरिक अंगों के रोगों के बारे में पता किया जाता है। 5. बिजली के चालक, लोहे के तार, ताँबे का तार व पानी **(ग)** 1. एडीसन के अनुसार 'इलेक्ट्रॉन नाम के छोटे कण जब जोश में आकर तूफानी दौड़ लगाते है तो बनने वाली तेज धारा ही बिजली है।' 2. पहला उपाय – नदियों के पानी को ऊँचाई से गिराएँ और उसके ठीक नीचे पनचक्की जैसा पहिया लगाए तो इलेक्ट्रॉन कण तेजी से दौड़कर बिजली पैदा करेंगे। दूसरा उपाय – एक भट्टी में खूब सारा पत्थर का कोयला डालकर पानी को उबालकर भाप बनाये और उस भाप को पनचक्की की पंखुडियों तक पहुँचाये तो इलेक्ट्रॉन की तेज गति से बिजली चल सकती है। 3. बिजली के आविष्कार के बाद बिजली की बैटरी और बेतार के तार व टेलीफोन आदि कई यंत्रों का आविष्कार हुआ। 4. बिजली के आविष्कार की शुरुआत बेंजामिन की विशेष डोर वाली पतंग से ही हुई और फलस्वरूप बिजली का झटका महसूस करने के बाद ही बिजली के आविष्कार के प्रयास किए गए। 5. बिजली से चलने वाले उपकरण – फ्रिज, टी.वी., एक्स-रे मशीन, कम्प्यूटर, मिक्सर, ग्राइन्डर, वॉशिंग मशीन आदि है। 6. आकाशवाणी पर यदि बच्चा गाना गा रहा है तो उसकी आवाज बिजली के सहारे आकाश में उड़ती हुई हमारे रेड़ियों स्टेशनों तक आती है। **(घ)** 1. बिजली का बल्ब 2. पानी 3. 1752 ई. में 4. ग्राहम बैल ने 5. रबर **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. जो, वह 2. यह 3. उसे 4. उन्हें 5. वह 6. वह 7. जिस, वह **(ख)** 2. बारिश 3. हड्डी 4. पैदा 5. जगत 6. विश्वास 7. उजाला 8. आसमान 9. बिजली 10. शीर्ष 11. पेड़ 12. नदी **(ग)** 1. ब 2. स 3. य 4. द 5. अ **(घ)** 1. आकाशवाणी 2. वैज्ञानिक 3. घुड़सवारी 4. पनबिजली 5. सुचालक 6. कुचालक **(ङ) सुचालक –** लोहा, पानी, पत्थर, ताँबे का तार **कुचालक –** रबर, काँच, चीनी मिट्टी, कागज, कपड़े, लकड़ी **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 4 भारतीय मिसाइल मैन – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडू के रामेश्वरम् में हुआ। 2. श्री शिव सुब्रह्मण्यम अय्यर 3. तीस विश्वविद्यालयों से डॉक्टरेट की उपाधि, पद्म भूषण, पद्म विभूषण और भारत रत्न की प्राप्ति उन्हें हुई। 4. तीन सपनें 5. 'युवाओं के गीत' के अनुसार 'युवाओं को हमेशा बड़े उद्देश्य रखने चाहिए।' **(ग)** 1. डॉ. कलाम के अनुसार ज्ञान के चार भेद है – (अ) सृजनशीलता (ब) नीतिपरायणता (स) साहस (द) अंतहीन जोश व लगन 2. डॉ. कलाम ने तीन महान हस्तियों – डॉ. विक्रम साराभाई, प्रो. सतीश धवन और डॉ. ब्रह्मप्रकाश के साथ काम किया। 3. डॉ. कलाम का पहला सपना था भारत की स्वतंत्रता का, दूसरा भारत का विकास एवं तीसरा सपना था कि भारत दुनिया के साथ चले। उनके अनुसार हमेशा भारत की तरक्की के दो सपने देखे गए। वे भारत को विकसित देशों की श्रेणी में दुनिया की बराबरी करते हुए देखना चाहते थे। 4. डॉ. कलाम को 'उडान विज्ञान' को अपना विषय बनाने की प्रेरणा समुन्द्र तट पर पक्षियों की उड़ान देखकर मिली। 5. डॉ. कलाम ने सी.वी.रमन के शब्दों को प्रतिध्वनित करते हुए कहा कि युवाओं को कभी भी निराश होकर हिम्मत नही हारनी चाहिए। 6. डॉ. कलाम के जीवन से देश-प्रेम, बड़े लक्ष्य रखने एवं राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने की प्रेरणा मिलती है। **(घ)** 1. सन् 2021 तक 2. जीवन पर्यन्त 3. गहन अध्ययन 4. युवाओं का तेजस्वी दिमाग 5. 2008 से 2013 तक 6. तीनों

भाषा-ज्ञान – (क) छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. देशभक्त 2. स्वतंत्र 3. सर्वश्रेष्ठ, अन्तर्राष्ट्रीय 4. दूसरा 5. उद्देश्य, निशाना 6. धरा, धरती 7. शिक्षक, आचार्य 8. जगत, संसार **(ग)** 1. स्फूर्ति 2. सुखद 3. शांति 4. शक्तिशाली 5. जटिल 6. ज्ञान **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 5 सकारात्मक दृष्टिकोण – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. पड़ोसी की खुशियों से परेशान, अपने स्वास्थ्य की चिंता, कभी पुरवाई की चिंता चिंतामणी जी को हमेशा रहती थी, इन सबका उनसे दूर-दूर तक कोई ताल्लुकात नहीं था। 2. हर हाल में प्रसन्न रहने वाले एवं सकारात्मक दृष्टिकोण वाला स्वभाव था। 3. खुशीराम जी हर परिस्थिति में सकारात्मक पक्ष खोजकर खुशियाँ ढूँढ लेते थे। 4. चिंतामणि का **(ग)** 1. खुशीराम जी ने चोट लगने पर भी सकारात्मक पक्ष देख लिया जैसा कि उन्होंने एक बालक की जान बचाकर उसके माँ-बाप को खुशियाँ प्रदान की और व्यस्त दिनचर्या में से कुछ खाली समय उन्हें मिल गया। 2. यदि खुशीराम जी की जगह चिंतामणि जी होते तो रोकर व चीखकर अपनी पीड़ा को और बड़ा बना लेते और लोगों को अपने पास इकट्ठा करके रोते रहते। 3. हम अपने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए खुश रह सकते है। 4. अच्छा काम करके हम खुशियों का खजाना प्राप्त कर सकते हैं। 5. खुशी प्राप्त करने का पहला सोपान है – सकारात्मक दृष्टिकोण एवं दसवाँ सोपान हैं – अपनी खुशियों को अपने तक सीमित न रखकर सबको सुख देने का प्रयास करना। **(घ)** 1. ब 2. स 3. अ 4. द 5. अ **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 2. मृदुभाषी 3. खुशमिजाज 4. आत्मविश्वास 5. अनन्त 6. चिंतामग्न 7. भौगोलिक 8. अन्तर्मग्न **(ग)** 2. जलन 3. दास्ताँ 4. ढेर 5. सुप्रसिद्ध 6. अच्छा **(घ)** 1. आशा - निराशा, 2. अपरिचित - परिचित, 3. दुःखांत - सुखांत 4. असंतोष - संतोष, 5. लोकप्रिय - अलोकप्रिय 6. सकारात्मक - नकारात्मक, **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 6 कुदरत का अभिशाप – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. कुदरत का 2. भूकम्प, भूस्खलन, बाढ़, सुनामी 3. सुनामी में लहरें अठखेलियाँ करती है। 4. बाढ़ 5. भूकम्प से बड़ी-बड़ी इमारतें ताश के पत्तों की तरह गिर जाती है और मलबे के नीचे कितने ही लोग दबकर लाश बन जाते है। **(ग)** 1. प्राकृतिक आपदाओं का प्रमुख कारण है – प्रकृति से छेड़छाड़ करना, जैसे– पेड़-पौधे काटना, नदियों के बहाव को पुलों द्वारा मोड़ना, चट्टानों को काटना, प्रदूषण फैलाना आदि। 2. भूस्खलन का कारण है – अधिक मात्रा में पेड-पौधों व चट्टानों को काटना। 3. बाढ़ के कारण लोगों का सब कुछ बह जाता है खाने को कुछ नहीं बचता है। लोग घरों में फँस जाते हैं, कुछ तो पानी में ही डूबकर मर जाते है। बीमारियाँ फैलती है। 4. भूकम्प से निपटने के लिए लोगों को दीवारों से दूर खड़े रहना चाहिए और हल्का सा झटका महसूस होते ही घरों से बाहर खुले मैदान में खड़ा रहना चाहिए। 5. प्राकृतिक आपदाओं का सामना कम से कम करना पडे इसके लिए हमें निम्न उपाय अपनाने चाहिए – (i) अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। (ii) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण लगाना चाहिए। (iii) वातावरण को प्रदूषित होने से बचाना चाहिए। **(घ)** 1. स 2. अ 3. ब 4. ब **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. बहुत 2. बहुत 3. बहुत 4. अधिक 5. बेहद 5. बड़ी 6. सामने वाला **(ख)** 2. द 3. य 4. र 5. अ 6. स **(ग)** 1. सिंधु, सागर, पयोधि 2. नीर, पानी, वारि 3. प्रतिष्ठा, चरित्र, विशेषता 4. पवन, अनल, बयार 5. घर, इमारत, गृह 6. जल, नीर, वारि 7. धरती, भू, भूमि 8. मनुष्य, पुरुष, मनु **(घ)** 1. मनुष्यों 2. आपदाएँ 3. अठखेलियाँ 4. समुद्रों 5. इमारतें 6. प्लेटें 7. लहरें 8. आत्माएँ **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ - 7 मॉस्को और लेनिनग्राद – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. मॉस्को 2. पायोनियर पैलेस में सभी तरह की प्रयोगशालाएँ है, जहाँ प्रतिदिन सात हजार से भी अधिक बच्चे आते है एवं अपनी रुचि के अनुरूप किसी भी टोली में शामिल हो जाते हैं। 3. सेंट पीटर्सबर्ग 4. बोरोदीना पैनोरमा, बोलशाई थिएटर, पायोनियर पैलेस एवं लाल चौक 5. 2600 पुस्तकालय **(ग) 1.** मॉस्को की सड़के चौड़ी-चौड़ी है जिन पर दस कारे एक साथ चल सकती है। 2. मॉस्कों के बोलशाई थिएटर दुनिया में मशहूर है। कला के देवता अपोलो का रथ इस भवन की शान बढ़ाता है। इस थिएटर में हॉल के अलावा, पाँच मंजिलों में दर्शक बैठते है। चारों ओर सुनहरी नक्काशी है। 3. मॉस्को के दूरदर्शन पर बच्चों के अनूठे कार्यक्रम प्रसारित होते है। बच्चे हँसते-हँसते लोट-पोट हो जाते है। 4. लेनिनग्राद के संग्रहालयों में सबसे बड़ा हरमिताज संग्रहालय है। यहाँ कला की पुरानी चीजें रखी हुई है। महान चित्रकारों के चित्र भी यहाँ लगे है। 5. लेनिनग्राद में अत्याधिक संख्या में पुस्तकालय है। इसी कारण दूसरे देशों के दो लाख छात्र यहाँ शिक्षा प्राप्त करने आते है। अतः यह शिक्षा का मंदिर भी कहलाता है। **(घ)** 1. ब 2. स 3. अ 4. स **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. ने, से 2. पर, की, का 3. को, का 4. के, का **(ग)** 1. बुरी तरह पराजित होना 2. सुन्दर होना 3. सुशोभित करना 4. ठण्ड लगना 5. किसी बात को लिखना 6. आश्चर्यचकित होना या बोलना **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ - 8 गरीब बचपन – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. बहादुर 2. नही 3. गरीब होना ही 4. गरीब व्यक्ति के पास मूलभूत जरुरतों की पूर्ति का साधन नहीं होता है। जबकि अमीर व्यक्ति के पास जरूरत की पूर्ति के लिए साधनों का भण्डार होता है और जरूरतें अनावश्यक रूप से लालच व लालसा में बढ़ती जाती है। **(ग)** 1. गरीब होना ही गरीब के लिए अभिशाप है क्योंकि गरीबी के कारण चाहे वह कितना ही मेहनत कर ले लेकिन अपना बचपन जिसकी सुख-सुविधाओं को जुटाने के चक्कर में वह बूढ़ा हो जाता है, वापस नही आ सकता है। पढ़ना चाहकर भी पढ़ नहीं सकता है और काम न करने की इच्छा होते हुए भी मजबूरन बालश्रम करना पड़ता है। 2. गरीब बच्चे चाहकर भी पढ़ नहीं पाते है और अमीर बच्चे सारी सुविधाएँ होते हुए भी उनकी कीमत नहीं समझते है और उनका लाभ नही उठाते है। 3. बालश्रम

विरोधी कानून विफल होता जा रहा है क्योंकि लोग गरीबी के कारण अपने बच्चों को काम पर लगा देते हैं उनके पास आजीविका का इससे परे कोई अन्य उपाय नहीं है। 4. हमें बालश्रम के शिकार बच्चों को कपड़े व पुस्तकें उपलब्ध करानी चाहिए एवं समाज में सबको मिलकर उनकी आर्थिक रूप से मदद करते हुए शिक्षा का जिम्मा लेना चाहिए एवं उनके माता-पिता को या फिर उन्हें स्वयं को कोई अपना रोजगार खुलवाना चाहिए। **(घ)** 1. द 2. अ 3. स 4. अ **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. चिड़ियाँ 2. कुरसियाँ 3. चाँद 4. अनुक्रतियाँ 5. पहुँच 6. महिलाएँ 7. ताँगा **(ग)** 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिंग 4. पुल्लिंग 5. पुल्लिंग 6. पुल्लिंग 8. पुल्लिंग 9. पुल्लिंग 10. स्त्रीलिंग 11. स्त्रीलिंग 12. पुल्लिंग **(घ)** 1. संस्थाएँ 2. कारखाने 3. बच्चे 4. घोड़े 5. बड़े 6. पक्षियों **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ - 9 शतरंज का जादूगर – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. एक चौकोर डिब्बा 2. चौंसठ 3. दो-काली व सफेद 4. 3 अगस्त को मनीला टेलीविजन सेंटर के ऑफिस में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। 5. उसकी माँ ने कहा था कि विजेता भी गलती कर सकते हैं। **(ग)** 1. आनन्द की माँ ने उसे गेम शो वीडियो रिकॉर्डर में रिकॉर्ड करके दिखाया। 2. चेन्नई के ताल क्लब में जीतने वाले को कोई इनाम नहीं दिया जाता था। सभी मैच नॉकआउट यानी बारी-बारी से सभी को हराने के आधार पर खेले जाते थे। 3. शतरंज के खेल को दो खिलाड़ी खेलते हैं एवं प्रत्येक के पास सोलह-सोलह गोटियाँ होती है। 4. आनन्द अपनी टी.वी. की विडियों रिकार्डिंग को रिकॉर्ड करके गेम शो देखा एवं अंत में पूछे गये सवाल का जवाब उसने लिखकर भेज दिया और उसके पास गेम शो के लिए टी.वी. सेंटर से बुलावा आ गया। 5. विश्वनाथन आनंद को 'शतरंज का जादूगर' भी कहा जाता है। इसने अपने खेलों की शुरुआत बचपन से ही अपने दम पर की और वे अभी तक अनेक पुरस्कार जीत चुके है। 'पद्म श्री, अर्जुन और राजीव गाँधी खेल रत्न' पुरस्कारों से नवाजे जा चुके है। **(घ)** 1. स 2. ब 3. स 4. अ 5. ब **भाषा ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. स 2. य 3. अ 4. र 5. द 6. ब **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ - 10 सूरदास – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. कृष्ण के 2. सगुण शाखा 3. संध्या को 4. ग्वाल-बालों के साथ 5. माता यशोदा को भोली इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि वे भी कृष्ण की चिकनी-चुपड़ी बातों से बहला ली गई है। **(ग)** 1. कृष्ण अपने मित्रों के साथ गेंद से सतौलिया खेल रहे हैं। 2. ग्वाल-बालों की 3. कृष्ण अपने आप को छोटा बालक इसलिए कह रहे है क्योंकि वे कैसे ऊपर रखी माखन की मटकी का माखन चुरा सकते है अर्थात् छोटे होने के कारण उनका हाथ वहाँ तक नहीं पहुँच पाता है। 4. कृष्ण यमुना तट पर मित्रों के साथ खेलने जा रहे है। **(घ)** 1. द 2. अ 3. स 4. ब 5. स **भाषा-ज्ञान – (क)** 2. हृदय 3. रहस्य 4. सुबह 5. बलराम। **(ख)** 1. अदर्शनीय 2. जन्मांध 3. नीरस 4. सुरीला 5. प्रत्यक्ष **(ग)** 1. आमों 2. मित्रों 3. ग्वालों 4. बाँहे 5. गायें 6. सखों 7. चीजें **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ - 11 सच्चे वीर पुरुष – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. कुदरती समस्त ताकतों का भण्डार 2. आल्पस है ही नहीं 3. सच्चे वीर पुरुषों का दिल सबका दिल होता है एवं मन सबका मन तथा विचार, संकल्प, बल सबके विचार, संकल्प व बल बन जाते है। 4. शूरवीरों में 5. सर्वश्रेष्ठ वीरता के लिए हाथ-पैरों की बलिष्ठता आवश्यक नहीं है और नही धन-मान आदि का होना आवश्यक है। **(ग)** 1. वीर पुरुषों जैसा बनने के लिए बलशाली होने के साथ-साथ धैर्यवान व गंभीर होना भी आवश्यक है। 2. छात्र स्वयं करें। 3. बुद्धन सिंह मारवाड़ के मौरुदा गाँव का एक जमीदार था। उसने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए मराठों से लड़ाई लड़ी और अपने मारवाड़ को बचाया। अतः मारवाड़ के लोग उसे याद करके उसके साथियों के गीत गाते हैं। 4. छात्र बुद्धन सिंह एवं शिवाजी की कोई गाथा लिखें। 5. लेखकानुसार वीरता की तीन श्रेणी हैं – (अ) निम्न श्रेणी - डाकू (ब) मध्यम श्रेणी - शूरवीर (स) सर्वोच्च श्रेणी - महापुरुष जो कर्त्तव्य परायण हो। 6. कर्त्तव्यपरायणता का अर्थ है अपने कर्त्तव्य को समझते हुए उस पर अमल करना। **(घ)** 1. स 2. स 3. द 4. ब **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. जो – संबंधवाचक सर्वनाम 2. आप – पुरुषवाचक सर्वनाम 3. कौन – प्रश्नवाचक सर्वनाम 4. यह – संकेतवाचक सर्वनाम 5. अपने आप – निश्चयवाचक सर्वनाम 6. कोई – अनिश्चयवाचक सर्वनाम 7. कोई – अनिश्चयवाचक सर्वनाम **(ख)** 1. संसार, महापुरुष – संज्ञा, वीर – विशेषण 2. मनुष्य, कार्य – संज्ञा, प्रशंसनीय – विशेषण 3. पुरुष – संज्ञा, वीर – विशेषण 5. वीरता, नयापन – संज्ञा, खास – विशेषण 6. पुरुषों, शक्ति – संज्ञा, वीर, गुप्त – विशेषण **(ग) 1.** प्रत्येक, प्रतिदिन 2. अनुकृति, अनुसरण 3. उपकार, उपहार 4. निवास, निर्धन 5. कुसंग, कुपोषण 6. सुमित, सुलभ **(घ)** 1. रानी 2. कवियत्री 3. विदुषी 4. लेखिका 5. शिक्षिका 6. पति 7. बैल 8. मोरनी **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ - 12 प्रदूषण की समस्या – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. पर्यावरण शब्द के अन्तर्गत प्राकृतिक, अप्राकृतिक, जड़ एवं चेतन सभी वस्तुएँ, मनुष्य, जीव-जंतु, पेड-पौधे, भूमि, जल तथा वायु आ जाते है। 2. जनसंख्या वृद्धि 3. 19 वीं शताब्दी में 4. अधिक-से-अधिक वृक्षारोपण 5. हिरोशिमा व नागासाकी में **(ग)** 1. पर्यावरण से तात्पर्य हमारे चारों ओर के परिवेश से है। 2. पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखना चाहिए। 3. पर्यावरण प्रदुषण पर नियंत्रण नहीं किया गया तो मनुष्य शुद्ध जल, वायु, भोजन एवं शांत वातावरण के लिए तरस जायेगा। 4. पर्यावरण प्रदूषण के उपाय – 1. अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। 2. आस-पास साफ-सफाई का ध्यान रखना चाहिए। 3. गंदगी का निस्तारण उचित रुप से होना चाहिए। 4. उद्योगों से निकलने वाली गंदगी व रसायनों का ठीक से निस्तारण हो। 5. पर्यावरण प्रदूषण के फलस्वरुप होने वाली आपदायें हैं – सूखा, बाढ़, भूकम्प आदि। **(घ)** 1. द 2. द 3. अ 4. द 5. द 6. स **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. पवन, समीर 2. पानी, नीर 3. भगिनी 4. भू, भूमि 5. संसार, जगत 6. जिन्दगी 7. मानव, आदमी 8. वृक्ष, तरु **(ख)** 1. जड़ 2. हानि 3. उपाय 4. रोग 5. नाव 6. चौपाया 7. नहर 8. नदी **(ग)** छात्र

स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 13 ग्राम पंचायत की अवरधारणा – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. जुम्मन शेख की एक बूढ़ी मौसी थी जिसका कोई निकट का संबंधी नही था और उसकी थोड़ी सी मिलकियत जुम्मन ने अपने नाम लिखवा ली थी। 2. समझू साहू बैलों का खरीददार था। 3. जुम्मन के नाम मिलकियत लिखने का एक ही कारण था कि बूढ़ी खाला के कोई निकट का संबंधी नही था। 4. पुराने विचारों के मनुष्य थे। 5. जुम्मन के व्यवहार से परेशान होकर बूढ़ी खाला ने पंचायत बुलाई। **(ग)** 1. जुम्मन शेख अपनी अनमोल विद्या के कारण सबके आदर-पात्र बने थे एवं अलगू चौधरी गुरु की सेवा सुश्रुषा के कारण व धन से आदर-पात्र थे। 2. जुम्मन को विश्वास था कि फैसला उसके ही हक में होगा क्योंकि अलगू चौधरी को सरपंच बनाया गया जोकि उसका परम मित्र था। 3. समझू साहू ने बैल पाया तो बिना चारे की परवाह किये बस दिन में चार-चार खेंपें करने लगे जिससे भूखा बैल दम तोड गया। 4. जब जुम्मन को सरपंच बनाया गया तब उसे अहसास हुआ कि पंच के पद पर बैठकर न कोई किसी को दोस्त होता है, न दुश्मन। न्याय के सिबा उसे कुछ नहीं सूझता। 5. अंत में जुम्मन ने समझू को फैसला सुनाया कि बैल का पूरा दाम दें क्योंकि जिस वक्त बैल लिया गया उसे कोई बीमारी नही थी। बैल की मृत्यु का कारण उससे बड़ा परिश्रम लिया गया और दाने-चारे का प्रबंध नहीं किया गया। **(घ)** 1. स 2. द 3. ब 4. स **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. वसीयत 2. मौसी 3. कोर्ट 4. विधवा 5. एतराज 6. बहस 7. मानना 8. मुंशी **(ख)** 1. शत्रुता 2. धनी 3. दानव 4. विकल्प 5. घाटा 6. सतयुग 7. अनुकूल 8. परेशानियाँ **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ - 14 सुकरात का जीवन – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. यूनान का महान दार्शनिक 2. क्रीटो ने 3. ईश्वर, सृष्टि, धर्म, राजा, प्रशासन, राज-धर्म, प्रजाधर्म आदि। 4. पेरिक्लीज 5. घमंडी व अविचारी शासक **(ग)** 1. सुकरात की बातों का विषय बिल्कुल अलग था। लोग जिनके बारे में प्रश्न करने में हिचकते थे। लेकिन सुकरात उनके उत्तर बड़ी ही दिलचस्पी से देने लगे और बातें सच्चाई पर पहुँच जाती थी। 2. सुकरात को एंथेस के लोग बहुत पसंद करते थे, क्योंकि एंथेस का राजा पेरिक्लीज भी उसका सम्मान करता था और प्रजा की भलाई के काम करने की प्रेरणा सुकरात से ग्रहण करता था। 3. एंथेस के अन्य विद्वान व नक्सली सुकरात से चिढ़ते थे क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि एंथेस के लोग सुकरात की तरह स्वतंत्र-चेतना बने। 4. वलीओन जैसा निरंकुश शासक यह चाहता था कि प्रजा बिना विचारे जो कहा जाये उसे स्वीकार कर ले। अतः सुकरात को मिथ्या आरोपों में फँसाकर मृत्यु दण्ड सुनाया और इसके परिणामस्वरूप उसे जहर पिलाया गया। 5. कानून का उल्लंघन न करते हुए सुकरात ने अंत में सत्य की रक्षा करते हुए जहर पी लिया। **(घ)** 1. स 2. ब 3. स 4. स **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. धर्म + इक 2. पूजन + इय 3. व्यक्ति + इत्व 4. महान + ता 5. प्रशंस + अक 6. संसार + इक 7. प्रभाव + इत 8. उल्लेख + नीय **(ख)** 1. (,) 2. (;) 3. (।) 4. (?) 5. (!) 6. (–) 7. (“ ”) 8. (:-) 9. ( ) 10. (-) **(ग)** छात्र स्वयं करें। **गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ - 15 बुद्धिमान युधिष्ठिर – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. पेड़ के 2. यक्ष 3. धैर्य 4. युधिष्ठिर का पिता 5. चारों भाईयों को **(ग)** 1. नकुल को सर्वप्रथम यक्ष के प्रश्नों का उत्तर देकर ही सरोवर का पानी पीना चाहिए था। यदि वह ऐसा करता तो मूर्च्छित नहीं होता। 2. सभी भाईयों में सर्वश्रेष्ठ युधिष्ठिर था। वह अपनी उदारता व न्यायप्रियता के कारण ही सर्वश्रेष्ठ था। 3. नकुल ने यक्ष की बात नही मानी और बिना प्रश्न का उत्तर दिए सरोवर से पानी पीने लगा। अतः वह मूर्छित हो गया। 4. युधिष्ठिर की उदारता व न्यायप्रियता से यक्ष प्रसन्न हो गया। **(घ)** 1. स 2. ब 3. अ 4. अ 5. स **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. अधैर्य 2. धरती 3. होश 4. पुण्य 5. अधीर 6. पश्चिम **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. वह कहाँ जा रहा है? 2. राजन, तुमने मुझे हरा दिया। 3. क्या आप मेरा अनुरोध पूरा करेंगे? 4. नकुल, सहदेव और भीम भाई थे। 5. धैर्य ही मनुष्य का साथ देता है। **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ -16 मुंशी प्रेमचंद – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. धनपतराय 2. माता का नाम – आनंदी, पिता का नाम – अजायबलाल एवं चचेरे भाई का नाम हलधर था। 3. गणित से 4. प्रेमचंद ने पहली बार 1901-02 में अभ्यास लिखना प्रारंभ किया। पहली कहानी थी 'संसार का सबसे अनमोल रतन' जो कि 1907 में कानपुर के उर्दू-मासिक 'जमाना' में प्रकाशित हुई। **(ग)** 1. 1936 में महान उपन्यासकार मैक्सिम गोर्की, शरतचंद्र व मुंशी प्रेमचन्द का देहावसान हुआ। 2. बाबू शिवप्रसाद गुप्त ने प्रेमचंद को 'मर्यादा' का सम्पादक इसलिए बनाया क्योंकि पहले संपादक बाबू संपूर्णानंद असहयोग – आन्दोलन में गिरफ्तार होकर जेल पहुँच गये थे। 3. 1930 में प्रेमचंद की कहानियों का एक संकलन जब्त किया गया – 'समर यात्रा' प्रकाशित होते ही अंग्रेजी सरकार ने इस पुस्तक को आपत्तिजनक घोषित कर दिया और पुलिस ने सरस्वती प्रेस से सारी प्रतियाँ उठा ली थी। 4. प्रेमचंद बहुत पढ़ाकू थे केवल गणित से घबराते थे। उन्होंने बी.ए. भी किया था। उनके विषय थे – अंग्रेजी, फारसी और इतिहास। **(घ)** 1. ब 2. स 3. ब 4. ब **भाषा-ज्ञान– (क)** व **(ख)** छात्र स्वयं करें। **(ग)** 1. बदमाश 2. बददिमाग 3. बदनाम 4. बदरंग 5. बदतमीज **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 17 बसंत धीरे आना – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. जलियाँवाला बाग हत्याकांड 2. क्योंकि वहाँ एक शोक-स्थल है। अतः रोने का राग गाने के लिए कहा गया है। 3. कलियाँ गिराने के लिए कहा गया है क्योंकि जलियाँवाला बाग में कुछ बच्चे भी शहीद हुए है। 4. बड़े-बूढ़े लोग जो कि उस समय जलियाँवाला बाग में सभा कर रहे थे। उनके लिए बसंत से शुष्क पुष्प गिराने के लिए कहा है। **(ग)** 1. जलियाँवाला बाग में उस समय हजारों व्यक्ति देश की स्वतंत्रता के लिए सभा कर रहे थे उन्हें तो पता भी नही था कि उनके साथ क्या होने वाला है। अतः कहा गया है – ''आशाओं से भरे हृदय छिन्न हुए है।'' 2. सुभाष चन्द्र बोस, बाल गंगाधर तिलक, दादा भाई नौगेजी, बिस्मिल, विपिनचन्द्र पाल, तात्या टोपे, भगत सिंह आजाद, गोपाल कृष्ण गोखले आदि। 3. जलियाँवाला बाग को सुगंध रहित और उस

हत्याकाण्ड की याद दिलाने वाला बताया है कि यह प्यारा बाग कितने ही लोगो के खून से सना हुआ है। अतः उसमें से आये हुए फूलों में कोई खूशबू नहीं है बल्कि वह तो दाग जैसा बन गया है। **(घ)** 1. स 2. ब 3. ब 4. अ 5. ब **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. कोयल, पिक 2. कौआ, कागला 3. फूल, सुमन 4. पीड़ा, दुख 5. कुटुम्ब, कबीला **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 18 रणथंभौर की शहादते – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. शरणागत की रक्षा 2. राणा हमीर एक वीर, साहसी राजपूत शासक था, जिसने शरणार्थी की रक्षा के लिए अपना सब-कुछ न्यौछावर कर दिया। 3. बादशाह अलाउद्दीन खिलजी से बचते हुए अपनी प्राणों की रक्षा के लिए माहमशाह राजा हमीर के पास आया था। 4. अलाउद्दीन खिलजी दिल्ली का शासक था। 5. कर्त्तव्य की सीमा है - कर्त्तव्य पालन अर्थात् कर्त्तव्य की कोई सीमा नहीं है जब तक अपना कर्त्तव्य पूरा न हो जाये। अतः बिना कोई सीमा के कर्त्तव्य को पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। **(ग)** 1. माहमशाह एक सैनिक, बादशाह अलाउद्दीन खिलजी का खादिम था। 2. राजा हमीर ने सरदारों को कर्त्तव्य के बारे में समझाया था। 3. अलाउद्दीन का आखिरी संदेश था कि माहमशाह को मेरे सुपुर्द कर दो उसको अपने यहाँ शरण देने के लिए माँफी माँगो। 4. माहमशाह की रक्षा के लिए राणा हमीर रणथंभौर का युद्ध लड़ा और लड़ाई लड़ते-लड़ते एक दिन उनके भंडार में खाने का सामान खत्म हो गया। तब माहमशाह ने खूब गिड़गिड़ाकर कहा कि बादशाह खिलजी से सुलह कर ले, लेकिन उनको अपनी जान की परवाह नही थी बल्कि उनको तो यह चिंता थी की कैसे लड़ा जाये। अंत में किले के द्वार खोल दिये गये और यह युद्ध आत्मदान का यज्ञ बन बैठा। सैनिक खून की आखिरी बूँद तक लड़ें। **(घ)** 1. अ 2. स 3. अ 4. ब **भाषा-ज्ञान – (क)** 2. सह + अनुभूति = अ + अ 3. सत्य + आग्रह = अ + आ 4. परम + अर्थ = अ + अ 5. वात + आवरण = य + आ। **(ख)** 1. स्वामी, बादशाह 2. दास, नौकर 3. रक्त, लौह 4. युद्ध, लड़ाई 5. कृपाण, असि 6. महक, खुशबू **(ग)** 1. आदेश 2. शव 3. लाभ 4. भाग्य 5. हवाले 6. दोष 7. भागना 8. चिंता 9. नखरे **(घ)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 19 हृदय परिवर्तन – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. पाटलिपुत्र 2. कलिंग 3. चार वर्ष 4. रानी पद्मावती 5. रानी पद्मावती को **(ग)** 1. राजा अशोक कलिंग राज्य को प्राप्त करने के लिए युद्ध करने जा रहे हैं जिसके लिए वे पिछले चार वर्षों से असफल प्रयास कर रहे थे। 2. रानी पद्मावती ने अशोक को अपना परिचय देते हुए कहा कि मैं कलिंग की पदमा और ये साथ में वीरांगनाएँ हत्यारे अशोक से युद्ध करने आई हैं। जब तक हम जीवित है, दुर्ग में कोई पैर नहीं रख सकता है। 3. सम्राट अशोक ने स्त्रियों से युद्ध करना शास्त्रों के खिलाफ बताया है अतः उसने रानी पद्मा से युद्ध नहीं किया। 4. अंत में सम्राट अशोक ने रानी पद्मा के सामने सिर झुका लिया क्योंकि उन्हें अहसास हो चुका था कि उसने कई निरपराधियों की हत्या की है, कई माताओं की गोद सूनी कर दी है और अनेक नारियों को विधवा बना दिया है। 5. प्रश्न 4 का उत्तर देखे। **(घ)** 1. ब 2. स 3. ब 4. अ **भाषा-ज्ञान – (क)** कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य 3. भाववाच्य 4. कर्तृवाच्य। **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 20 पलायन – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. अपने बाशिदों को 2. गाँवों में शिक्षा व का न होना, प्रकृति भी साथ नही देती है और नये समय के सपने व पेट भरने की आशा लिए वे गाँवों से पलायन कर रहे है। 3. नये युग (उनका भविष्य) के सपने संजोने के लिए शहर जा रहे है। 4. क्योंकि गाँव वीरान हो गये हे। **(ग)** 1. गायों को बेवस इसलिए कहा है क्योंकि गायें गाँव की प्रत्येक देहलीज पर रंभाकर आ जाती है लेकिन वहाँ कोई न रहने के कारण उसे खाने को कुछ नही मिलता है। 2. छात्र स्वयं करें। 3. गाँव व शहरों के जीवन में बहुत अंतर है। गाँवों में स्वच्छ जलवायु है सभी एक-दूसरे की सहायता करते है लोग आपस में खुशियाँ बाँटते है और लोकगीत गाते है, त्योहार मनाते है। खेती करके पूरा परिवार साथ मिलकर काम करते हुए भी खुश रहते है, जबकि शहरों में प्रदूषण, लालसा, बुराई और केवल पेट भरने की आशा नजर आती है। हमारी संस्कृति व सभ्यता तो केवल गाँवों में ही जिन्दा है। 4. कवि गाँव के लोगो से शहरों की ओर न जाने का अनुरोध कर रहे हैं क्योंकि इस तरह गाँव वीरान होते रहे तो पशुओं का क्या होगा खेती कौन करेगा और संस्कृति व सभ्यता तो कहीं लुप्त हो जायेगी। **(घ)** 1. स 2. ब 3. ब **भाषा-ज्ञान – (क)** छात्र स्वयं करें। **(ख)** 1. यज्ञ + उपवीत 2. वृद्ध + अवस्था 3. भक्ष्य + भक्ष्य 4. शरण + आगत 5. पुरुष + उत्तम 6. सत्य + आश्रय **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

पाठ – 21 ध्रुव – (क) मौखिक प्रश्न (ख) लिखित – 1. दो रानियाँ, एक सुमति व दूसरी सुरूचि 2. सुरूचि ने राजा से वचन लिया था कि उसके बाद गद्दी का अधिकारी ध्रुव नही उत्तम ही होगा। 3. भगवान की खोज में 4. ध्रुव ने यह निश्चय कर लिया था कि जब तक भगवान खुद नही आएँगे तब तक आँखे नही खोलेगा। 5. बूढे उत्तानपाद ने उत्तम को राजा बनाने की सोची **(ग)** 1. सुरूचि बुरी रानी थी क्योंकि उसने राजा उत्तानपाद से सुमति की झूठी बुराईयाँ कर-कर के घर से बाहर निकलवा दिया। 2. सुरुचि ने सुमति को घर से बाहर इसलिए निकलवा दिया क्योंकि उसे डर था कि कही उसका पुत्र ध्रुव बाद में राजा का उत्तराधिकारी न बन जाये। 3. ध्रुव ने भगवान के कहने पर आँखे खोली और उसने उसी समय गरीब, मेहनत करने वालो की सेवा करना शुरु कर दिया। 4. अंत में अच्छे गुणों की लोकप्रियता के कारण ध्रुव को राजा चुना गया। **(घ)** 1. ब 2. स 3. अ 4. स **भाषा-ज्ञान – (क)** 1. अनिच्छा 2. सुख 3. आलसी 4. अंधेरा (अधंकार) 5. अच्छाई 6. रंक **(ख)** छात्र स्वयं करें। **रचनात्मक गतिविधि –** छात्र स्वयं करें।

मॉडल टैस्ट पेपर – 1 – छात्र स्वयं करें।

मॉडल टैस्ट पेपर – 2 – छात्र स्वयं करें।

मॉडल टैस्ट पेपर – 3 – छात्र स्वयं करें।

मॉडल टैस्ट पेपर – 4 – छात्र स्वयं करें।